* 17th Year
* Issue: 315
* 05.04.2024 (FRIDAY)
* ROURKELA
* R.N.I. No. ORIHIN/2006/18978
* (Pages-6)
* Price:2.00

e-paper-www.thekalingasamachar.com

दैनिक

कलिंग समाचार

The kalingasamachar

प्रकाशक एवं संपादक : प्रकाश कुमार धल

Published From Rourkela

कूच बिहार में संदेशखाली के जरिए पीएम मोदी का ममता पर कड़ा प्रहार, कहा-दोषी जिंदगी जेल में काटेंगे

कूच बिहार ०४/०४ (संवाददाता): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कूच बिहार में कहा कि यह टीएमसी के गुंडे आपको वोट देने से रोकते हैं तो पूरी हि मत से खड़े हो जाइए, इस बार चुनाव आयोग बहुत जागरूक है, आपके एक.एक वोट की ताकत वे समझते हैं इसलिए आप निडर होकर वोट करने निकलिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कूच बिहार में कहा कि टीएमसी कांग्रेस और ले ट की राजनीति झूठए भ्रम और अपप्रचार पर टिकी है। इंडी गठबंधन अपने आप में झूठ और भ्रम का प्रत्यक्ष उदाहरण हैए यहां टीएमसीए ले ट और कांग्रेस वाले आपस में लड़ते हैं लेकिन दिल्ली में ये एक साथ रहते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कूच बिहार में कहा कि बंगाल के विकास के लिए यहां भाजपा का मजबूत होना बहुत जरूरी हैए भाजपा ही है जो यहां माताओं.बहनों पर होने वाले अत्याचार को रोक सकती है। पूरे देश ने देखा है कि कैसे टीएमसी सरकार ने संदेशखाली के गुनहगारों को बचाने के लिए पूरी ताकत लगा दी। संदेशखाली की महिलाओं के साथ जो हुआ वह टीएमसी के अत्याचार की पराकाष्ठा थी। भाजपा ने संकल्प लिया है कि वह संदेशखाली के दोषियों को सज़ा दिलवाकर ही रहेगाए उन्हें जेल में ही जिंदगी काटनी पड़ेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कूच बिहार में कहा कि यह 10 साल में जो विकास हुआ है वह सिर्फ ट्रेलर है। अभी तो मुझे बहुत कुछ करना हैए अभी तो हमें देश कोए पश्चिम बंगाल को बहुत आगे ले जाना है। मेरे विरोधी कहते हैं मोदी का परिवार नहीं हैए मेरे लिए मेरा भारत मेरा परिवार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कूच बिहार में कहा कि आजादी के बाद हमारे देश में 6.7 दशक तक लोगों ने सिर्फ और सिर्फ कांग्रेस का मॉडल देखा। पिछले 10 सालों में देश ने पहली बार पूर्ण बहुमत वाली भाजपा सरकार का मॉडल देखा है। आज दुनिया कहती है मजबूत नेता हैए दुनिया कहती है मोदी कड़े और बड़े फैसले लेने वाला नेता है। मैं तो विनम्रता से यही कहना चाहता हूं मोदी तो भारत की जनता का बहुत सामान्य सेवक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कूच बिहार में सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि मैं सबसे पहले बंगाल की मु यमंत्री ममता दीदी का आभार व्यक्त करना चाहता हूं क्योंकि 2019 में मैं इसी मैदान में जनसभा करने आया था तब उन्होंने एक बड़ा मंच बीच में बनाकर मैदान छोटा कर दिया थाए मैंने तब उनसे कहा था कि जनता आपको जवाब देगी लेकिन आज उन्होंने ऐसा कुछ नहीं किया और मैदान खुला रखा. इसलिए मैं बंगाल सरकार का कोई रुकावट न करने के लिए आभार व्यक्त करता हूं।

बोरवेल में फंसे दो साल के बच्चे को 20 घंटे के अभियान के बाद बचाया गया

विजयपुरा ०४/०४ (संवाददाता): कर्नाटक के विजयापुर जिले के इंडी तालुका के लाचयान गांव में बोरवेल में गिरे दो साल के बच्चे को करीब 20 घंटे के बचाव अभियान के बाद बृहस्पतिवार को दोपहर में सुरक्षित बचा लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। बचाव अभियान के दौरान बच्चे के रोने के आवाज सुनी गई थी। बोरवेल के अंदर 16 फुट की गहराई में फंसे बच्चे सात्विक सतीश मुजागोंड को सुरक्षित बाहर निकालते ही खुशी की लहर दौड़ गई। बच्चे को तुरंत एक मेडिकल टीम के साथ घटनास्थल पर तैनात ए बुलेंस में ले जाया गया। बोरवेल के अंदर 16 फुट की गहराई में फंसे बच्चे सात्विक सतीश मुजागोंड को सुरक्षित बाहर निकालते ही खुशी की लहर दौड़ गई।

पीएम मोदी के सामने फिर बोले नीतीश कुमार, उनसे बस झूठ-मूठ का साथ था, अब हम कभी अलग नहीं होंगे

पटना ०४/०४ (संवाददाता):बिहार के मु यमंत्री नीतीश कुमार, जिन्होंने हाल ही में पूर्व सहयोगी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ;एनडीए में शामिल होने के लिए यू टर्न लिया था, ने गुरुवार को कहा कि वह गठबंधन के साथ स्थायी रूप से बने रहेंगे। जमुई में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुएए जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंच पर थेए नीतीश कुमार ने कहा कि वो तो झूठ.मूठ का हम बीच में एक बार साथ कर लेते थे तो आज वो बात करता हैश्ए लेकिन जब मैंने देखा कि वो गलत कर रहे हैं तो मैंने उन्हें ;राजद छोड़ दिया। और हम अब हमेशा के लिए एक साथ हैं। अब कभी इधर उधर नहीं होने वाले हैं। कुमार ने पीएम मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की सराहना करते हुए कहा कि जब से वह सत्ता में आई है हिंदू.मुस्लिम दंगे बंद हो गए हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी 10 साल से केंद्र सरकार में हैं और उन्होंने बिहार और देश के लिए बहुत काम किया है। जब से हमने सत्ता संभाली हैए हिंदू.मुस्लिम दंगे बंद हो गए हैंए मैं मुस्लिम समुदाय से अपील करना चाहता हूं कि अगर आपने गलती से उन्हें ;विपक्ष वोट दिया तो वो दंगे फिर से शुरू हो जाएंगे। बिहार के पूर्व सीएम कर्पूरी ठाकुर को दिए गए भारत रत्न पुरस्कार पर प्रकाश डालते हुए मु यमंत्री ने कहा आपने बहुत काम किया है। आपने कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिया जो हमारी मांग रही हैए लोग इसे नहीं भूलेंगे। नीतीश ने कहा कि हम ;एनडीए 2005 से एक साथ काम कर रहे हैंए और जिस गति से काम किया गया है वह बहुत बढ़िया है। उन्होंने कहा कि आज वे ;राजदद्ध केवल बातें कर सकते हैं लेकिन जब उन्हें 15 साल मिले तो उन्होंने कुछ नहीं किया। इनके कार्यकाल में लोग शाम के बाद घर से बाहर भी नहीं निकल पाते थे। जनता दल ;यूनाइटेडद्ध सुप्रीमो ने इस साल जनवरी में बिहार में भाजपा के समर्थन से नई सरकार बनाने के लिए महागठबंधन ;महागठबंधन और इंडिया ब्लॉक को छोड़ दिया।

पप्पू यादव ने पूर्णिया से दाखिल किया नामांकन, तेजस्वी से नफरत की राजनीति छोड़ने को कहा

पटना ०४/०४ (संवाददाता): पूर्व सांसद राजेश रंजन उर्फ ??पप्पू यादव ने गुरुवार को पूर्णिया लोकसभा क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन दाखिल करने से पहले राष्ट्रीय जनता पार्टी ;राजदद्ध नेता तेजस्वी यादव पर भी उन्होंने निशाना साधा और उनसे नफरत की राजनीति छोड़ने को कहा। सहयोगी राजद की बीमा भारती के नामांकन पत्र दाखिल करने के बावजूद यादव ने बिहार की पूर्णिया लोकसभा सीट से अपना नामांकन दाखिल किया। उनहोंने साफतौर पर कहा कि पप्पू पूर्णिया का प्रतीक है और इसके विपरीत। आज पहली बार न कोई संगठन हैए न धर्म हैए न जाति हैए बस इंसानियत है। पप्पू यादव ने कहा कि मैंने कोई गलती नहीं कीए कोई अपराध नहीं किया। मैं हर मुसीबत में सबके साथ खड़ा रहा। जो जिंदगी बची है उसमें भ्रष्टाचार से लड़ने और सीमांचल और पूर्णिया के विकास के लिए जी.जान से काम करूंगा। उन्होंने कहा कि पिछले 14 दिनों से लोग पूछ रहे हैं कि पूर्णिया का क्या हालघ् पप्पू यादा के बारे में क्याघ् मैंने दिल जीत लिया है और आशीर्वाद भी मुझे मिलेगा। यही बात मैंने हाथ जोड़कर लालू यादव से भी कही। पूर्णिया ने मुझे कभी हारने नहीं दिया और मेरे साथ मजबूती से खड़ा है और अगर मैं यहां से चला गया तो यह मेरे लिए आत्मघाती होगाए यादव ने कहा कि वह ण्ण्छ्ण्क्ण्ण्। ब्लॉक को मजबूत करने के लिए काम करेंगे और वह लालू यादव की बेटियों के लिए भी काम करेंगे। उन्होंने कहा कि मैं तेजस्वी यादव से कहूंगा कि नफरत की राजनीति छोड़ें। मुझे हमेशा लालू यादव के आशीर्वाद की उ मीद रहती है। यादव ने कहाए श्मुझे राजद नेता का फोन आया कि मुझे मधेपुरा से चुनाव लड़ना चाहिएए लेकिन मैंने कहा कि अगर मैं राजद के चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ सकता हूंए लेकिन केवल पूर्णिया से और राजद बीमा भारती को मधेपुरा में स्थानांतरित कर सकता है।

लोकसभा चुनाव में उतरने की तैयारी में राबर्ट वाड्रा!

नयी दिल्ली ०४/०४ (संवाददाता): व्यवसायी और प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा ने गुरुवार को कहा कि अमेठी के लोग चाहते हैं कि वह मौजूदा सांसद स्मृति ईरानी के खिलाफ निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ें। उन्होंने कहा कि अमेठी की जनता को अपनी गलती समझ आ गई है। और मुझे लगता है कि अब वे चाहते हैं कि गांधी परिवार का कोई सदस्य इस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करे। उन्होंने कहा कि यहां तक कि मुझे अमेठी के लोगों से भी अनुरोध मिलता है कि अगर मैं राजनीति में शामिल होऊं तो मुझे अमेठी को चुनना चाहिए। मुझे याद हैए प्रियंका के साथ मेरा पहला राजनीतिक अभियान 1999 में अमेठी में था। 2019 के लोकसभा चुनाव में अमेठी एक हॉट सीट बन गई जब स्मृति ईरानी ने दशकों तक गांधी के गढ़ रही इस सीट से राहुल गांधी को हराया। राहुल गांधी ने 2004, 2009 और 2014 में अमेठी से जीत हासिल की लेकिन स्मृति ईरानी ने रिकॉर्ड तोड़ दिया। कांग्रेस ने अभी तक अमेठी और रायबरेली के लिए उ मीदवार की घोषणा नहीं की हैए जबकि राहुल गांधी ने वायनाड से अपना नामांकन दाखिल किया है। मौजूदा सांसद सोनिया गांधी के राज्यसभा में चले जाने से इस बार अमेठी के अलावा रायबरेली का भी महत्व बढ़ गया है।अटकलें लगाई जा रही थीं कि राहुल गांधी 2019 की तरह अमेठी और वायनाड दोनों सीटों से चुनाव लड़ेंगे और प्रियंका गांधी वाड्रा रायबरेली से चुनावी शुरुआत कर सकती हैं।

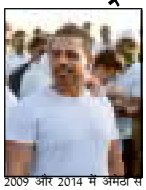

संदेशखाली पीड़ितों का 1 प्रतिशत सच भी शर्मनाक, ममता सरकार पर भड़क गया कोर्ट, कहा-ये महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित है?

कोलकाता ०४/०४ (संवाददाता): संदेशखाली की महिलाओं के खिलाफयौन हिंसा का आरोप लगाने वाले अपने समक्ष रखे गए एक हलफनामे की सामग्री पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुएए कलकत्ता उच्च न्यायालय ने गुरुवार को कहा कि यदि मामला एक प्रतिशत भी सच हैए तो यह बिल्कुल शर्मनाक है। अदालत ने पश्चिम बंगाल सरकार को उसके इस दावे पर भी फटकार लगाई कि यह महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित जगह है। संदेशखाली में महिलाओं के खिलाफ हिंसा और भूमि पर कब्जा करने के कथित मामलों की स्वतंत्र जांच की मांग करने वाली दलीलें सुनते हुएए मु य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम ने टिप्पणी करते हुए कहा कि पूरे जिला प्रशासन और सत्तारूढ़ व्यवस्था को नैतिक जि मेदारी निभानी चाहिए। भले ही ;हलफनामाद्ध 1: भी सच होए यह बिल्कुल शर्मनाक है। कोर्ट ने कहा कि पश्चिम बंगाल कहता है कि यह महिलाओं के लिए सबसे सुरक्षित हैघ् अगर एक हलफनामा सही साबित होता है तो ये सब खत्म हो जाता है। कोर्ट ने याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। उच्च न्यायालय ने फरवरी में बंदूक की नोक पर महिलाओं पर यौन उत्पीड़न के दावों और संदेशखाली में आदिवासी भूमि के कथित हस्तांतरण पर स्वतरू संज्ञान लिया था। मार्च में उसने संदेशखाली में प्रवर्तन निदेशालय ;ईडीद्ध के अधिकारियों पर 5 जनवरी को हुए हमले की जांच और मु य आरोपी शाहजहां शेख की हिरासत को केंद्रीय जांच ब्यूरो ;सीबीआईद्ध को स्थानांतरित करने का आदेश दिया। घटनाक्रम की शुरुआत तब हुई जब प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारीए जो 5 जनवरी को टीएमसी के निलंबित जिला परिषद सदस्य शाहजहां शेख पर छापा मारने संदेशखली आए थेए उन पर हमला किया गया।

इस बीचए मु यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा की आलोचना की है और दावा किया है कि विपक्षी दल संदेशखाली मुद्दे पर फर्जी खबरें फैला रहा है।

नवनीत राणा को सुप्रीम कोर्ट से मिली बड़ी राहत, जाति प्रमाण पत्र को बताया वैध

नयी दिल्ली ०४/०४ (संवाददाता): भारतीय जनता पार्टी ;भाजपाद्ध सांसद नवनीत कुमार राणा को बड़ी राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को बॉ बे हाई कोर्ट के फैसले को पलट दिया और यहां अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र को बरकरार रखा। न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति संजय करोल की पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय को राणा के जाति प्रमाण पत्र के मुद्दे पर जांच समिति की रिपोर्ट में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए था। राणा ने समाचार एजेंसी एएनआई को बताया कि जिन लोगों ने मेरे जन्म पर सवाल उठाए थेए उन्हें आज जवाब मिल गया। मैं सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद देता हूंण् सत्य की हमेशा जीत होती हैण् यह उन लोगों की जीत है जो बाबा साहेब अंबेडकर और छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा दिखाए गए रास्ते पर चले। राणा ने 2021 के बॉ बे हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थीए जहां अदालत ने पाया कि उसने धोखाधड़ी से श्मोचीश् प्रमाणपत्र प्राप्त कियाए जबकि रिकॉर्ड से पता चला कि वह श्सिख.चमारश् जाति से थी। बॉ बे ब् ने अमरावती के सांसद पर 2 लाख का जुर्माना भी लगाया था। इसके बाद राणा ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया और दलील दी कि उनके पूर्वज सिख.चमार जाति से थेए जिसमें श्सिखश् एक धार्मिक उपसर्ग है और इसका किसी जाति से कोई संबंध नहीं है। राणा ने लोकसभा चुनाव से पहले गुरुवार को महाराष्ट्र के अमरावती निर्वाचन क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। गुरुवार को लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने से पहले राणा ने अपने पति रवि राणा के साथ अमरावती में हनुमानगढ़ी मंदिर में पूजा.अर्चना की।राणा ने 2019 का लोकसभा चुनाव अमरावती से श्निर्दलीयश् के रूप में जीता . यह निर्वाचन क्षेत्र एससी वर्ग के लिए आरक्षित है।

पांच पावर सेंटर, लॉबी, वैचारिक गड़बड़ी, जर्जर पार्टी, निष्कासन के बाद संजय निरुपम ने कांग्रेस का पूरा चिट्ठा खोल दिया

मुंबई ०४/०४ (संवाददाता): कांग्रेस पार्टी द्वारा अपने पूर्व मुंबई प्रमुख संजय निरुपम को निष्कासित करने के एक दिन बाद पूर्व सांसद ने पार्टी पर निशाना साधते हुए इसे संगठनात्मक रूप से परेशान बताया। कांग्रेस संगठनात्मक रूप से एक जर्जर पार्टी है। कई लोग पहले ही इसमें वैचारिक गड़बड़ी की ओर इशारा कर चुके हैंण् भारत अब एक धार्मिक देश बन गया है। नेहरूवादी धर्मनिरपेक्षता ने हिंदुओं को अपने ही धर्म से डरने पर मजबूर कर दिया है। संजय निरुपम ने कहा कि पहले कांग्रेस पार्टी में एक पावर सेंटर हुआ करता थाण्ण्ण् लेकिन इस समय कांग्रेस पार्टी में पांच पावर सेंटर है और पांचों की अपनी लॉबी है जो आपस में टकराती रहती है। इन पांचों सेंटर में सबसे पहले सोनिया गांधी हैंए दूसरे सेंटर में राहुल गांधीए तीसरे में प्रियंका गांधीए चौथे में अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और आखिरी में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल जी हैं। यह सब अपने प्रकार से राजनीति कर रहे हैं।

कांग्रेस पार्टी से अपने निष्कासन पर संजय निरुपम ने कहा कि मैंने कल एक घोषणा की और लगभग बजे मल्लिकार्जुन खरगे जी को अपना इस्तीफा भेज दिया। कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से बिखरी हुई पार्टी है और पार्टी के नेताओं ने भी कहा है कि इसकी विचारधारा दिशाहीन है।

पूर्व सांसद ने पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि उनका निष्कासन उनके इस्तीफा भेजने के कुछ ही क्षण बाद हुआ। जहां निरुपम मुंबई उत्तर.पश्चिम से चुनाव लड़ना चाहते थेए वहीं कांग्रेस की सहयोगी उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने अमोल कीर्तिकर को उ मीदवार घोषित किया। निरुपम ने मुंबई की छह लोकसभा सीटों में से चार पर उ मीदवारों की घोषणा के बाद राज्य कांग्रेस नेतृत्व पर जमकर हमला बोला थाए जिसमें मुंबई उत्तर पश्चिम सीट भी शामिल थीए जिस पर उनकी नजर है। निरुपम ने कहा था कि कांग्रेस नेतृत्व को खुद को शिवसेना ;यूबीटीद्ध के हाथों झुकने की इजाजत नहीं देनी चाहिए। पार्टी नेतृत्व के खिलाफ की गई टिप्पणी को लेकर मुंबई इकाई के पूर्व प्रमुख संजय निरुपम के खिलाफबुधवार को अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की। महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने कहा कि पार्टी ने पूर्व सांसद को स्टार प्रचारकों की सूची से हटा दिया है। पटोले के हवाले से कहा गया कि पार्टी ने स्टार प्रचारकों की सूची से निरुपम का नाम हटा दिया है और पार्टी और राज्य इकाई नेतृत्व के खिलाफउनके बयानों के लिए उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई है।

Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/

विविध समाचार

केजरीवाल की गिरफ्तारी, आप के बुरे समय में साथ क्यों नहीं खड़े हैं सांसद? अरेस्ट होने का राघव चड्ढा को सता रहा है डर?

नयी दिल्ली ०४/०४ (संवाददाता): दिल्ली के मु यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिर तारी के बाद आम आदमी पार्टी ;आपद्ध में चल रहे राजनीतिक संकट के बीच विपक्ष ने पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा की अनुपस्थिति पर सवाल उठाया है।

दिल्ली के मु यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिर तारी के बाद आम आदमी पार्टी ;आपद्ध में चल रहे राजनीतिक संकट के बीच विपक्ष ने पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा की अनुपस्थिति पर सवाल उठाया है। राजनीतिक क्षेत्र से चड्ढा की अनुपस्थिति ने उन अटकलों को भी हवा दे दी है कि वह अब खत्म हो चुकी दिल्ली शराब नीति की चल रही जांच में प्रवर्तन निदेशालय के जाल से बच रहे हैं।

विशेष रूप सेए केजरीवाल को उत्पाद शुल्क नीति मामले में संघीय जांच एजेंसी द्वारा गिर तार किया गया था और 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था।आम आदमी पार्टी में चल रही इस उठापटक के बीच राघव चड्ढा के एमआईए ;नदारदद्ध होने पर सवाल अब भी बना हुआ है।

माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स पर चड्ढा के अकाउंट के अनुसारए वह विट्रेक्टोमी के लिए 8 मार्च से लंदन में हैंए जो रेटिना डिटेचमेंट को रोकने के लिए एक प्रकार की आंख की सर्जरी है। उन्होंने लंदन इंडिया फोरम 2024 में एक इंटरैक्टिव सत्र में भी भाग लियाए जिसे लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स ने 9 मार्च को आयोजित किया था। उनकी पत्नी और बॉलीवुड अभिनेता परिणीति चोपड़ा भी फोरम में वक्ताओं में से एक थीं।

उन्होंने एक्स पर पोस्ट कियाए ष्एलएसई में आयोजित लंदन इंडिया फोरम 2024 में एक इंटरैक्टिव सत्र पाकर खुशी हुई। उस संस्थान में बातचीत में शामिल होना जिसने मुझे आकार दियाए हमेशा एक विशेषाधिकार है। समृद्ध अवसर के लिए आभारी हूं। रुएलएसई रुलंदनइंडियाफोरम 10 मार्च 2024 ।ष्

इस यात्रा के दौरान उन्होंने ब्रिटेन की विवादास्पद सांसद प्रीत कौर गिल से भी मुलाकात कीए जिसकी भाजपा ने आलोचना की। गिल के साथ उनकी मुलाकात पर सवाल उठाते हुएए भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने ब्रिटेन के सांसद पर खालिस्तानी अलगाववाद की वकालत करनेए खालिस्तानियों के लिए धन जुटाने और इंडिया हाउस के बाहर हिंसक विरोध प्रदर्शन को वित्त पोषित करने सहित अन्य आरोप लगाए। मालवीय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा ष्ण्णआप सांसद राघव चड्ढा ब्रिटिश लेबर सांसद प्रीत के गिल के साथ क्या कर रहे हैंए जो खुले तौर पर कश्मीर अलगाववाद की वकालत करते हैंए ब्रिटेन में केएस के लिए

धन जुटाते हैंए लंदन में इंडिया हाउस के बाहर हिंसक विरोध प्रदर्शन के लिए धन देते हैंए लगातार भारत विरोधीए मोदी विरोधी पोस्ट करते हैं ए उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर हिंदू विरोधी सामग्रीष् ।।च् सांसद राघव चड्ढा ब्रिटिश लेबर सांसद प्रीत के गिल के साथ क्या कर रहे हैंए जो खुले तौर पर ज्ञ अलगाववाद की वकालत करते हैंए ब्रिटेन में ज्ञ के लिए धन जुटाते हैंए लंदन में इंडिया हाउस के बाहर हिंसक विरोध प्रदर्शन के लिए धन देते हैंए लगातार पोस्ट करते हैं उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर भारत विरोधीए मोदी विरोधीए हिंदू विरोधी चीजें हैंष्

20 मार्च को चड्ढा ने हाउस ऑफ कॉमन्स में प्रधान मंत्री के प्रश्न सत्र में भाग लेने के लिए अपनी पत्नी के साथ वेस्टमिंस्टर पैलेस का दौरा किया।

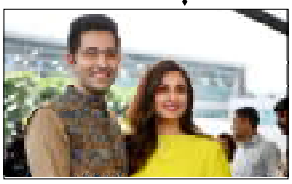

विशेष रूप सेए 21 मार्च कोए जब अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने गिर तार किया थाए तो चड्ढा ने गिर तारी की निंदा करने के लिए दो ट्वीट किए . एक हिंदी में और दूसरा अंग्रेजी में। बाद में उन्होंने एक वीडियो संदेश जारी कर केजरीवाल का बचाव किया और केंद्र सरकार पर हमला बोला। तब सेए वह अपने एक्स अकाउंट पर सुनीता केजरीवाल द्वारा की गई प्रेस कॉन्फ्रेंसए ।।च् प्रमुख को समर्थन देने वाले भारतीय नेताओं और रामलीला मैदान रैली के वीडियो साझा कर रहे हैं। ष्आज आम आदमी पार्टी के हर कार्यकर्ता के लिए बहुत भावुक दिन है। हमारे शेर संजय सिंह की रिहाई से आज खुशी है जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। जय बजरंगबली !ष् जिस मामले में केजरीवाल को गिर तार किया गया थाए उसी मामले में अदालत द्वारा उनके राज्यसभा सहयोगी संजय सिंह को जमानत दिए जाने के बाद उन्होंने 2 अप्रैल को एक्स पर पोस्ट किया था। भारत में उनकी आखिरी सार्वजनिक उपस्थिति 2 मार्च को थीए जब वह दक्षिणी दिल्ली लोकसभा सीट के लिए अपनी उ मीदवारी पर बधाई देने के लिए एक साथी ।।च् नेता से मिलने गए थे।

राघव चड्ढा की अनुपस्थिति ने भाजपा के साथ.साथ इंडिया ब्लॉक के भीतर से भी सवाल उठाए हैं। शनिवारए 30 मार्च को एनसीपी ;शरद पवारद्ध नेता जितेंद्र अवहाद ने दिल्ली में चड्ढा की अनुपस्थिति पर सवाल उठायाए जब उनकी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय ने गिर तार किया था।

एक्स पर अब हटाए गए पोस्ट मेंए आव्हाड ने पूछाए ष्राघव चड्ढा कहां हैंष् इस बीच बीजेपी ने भी चड्ढा की गैरमौजूदगी पर सवाल उठाया है। एक्स पर एक पोस्ट मेंए बीजेपी आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने उनकी अनुपस्थिति पर सवाल उठाया और कहाए ष्ण्णभारत में चुनावों की घोषणा हो चुकी है। लेकिन अरविंद केजरीवाल के प्रिय राघव चड्ढा लंदन में हैं! क्योंष्ण्णष। इसके अलावाए पंजाब बीजेपी प्रमुख सुनील जाखड़ ने भी राजनीतिक मोर्चे पर उनकी अनुपस्थिति पर सवाल उठाया।

उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा ष्इस राजनीतिक रूप से तनावपूर्ण माहौल में इस समय श्री राघव चड्ढा की दिलचस्प अनुपस्थिति के लिए कई कारण जि मेदार ठहराए जा रहे हैं। इस पर श्री केजरीवाल और श्री भगवंत मान की चुप्पी ने केवल ऐसे आक्षेपों को बल दिया है। अब एक न्यूज रिपोर्ट से पता चलता है कि श्री चड्ढा अपनी आंखों के इलाज के लिए लंदन गए हैं। अगर ऐसा मामला हैए तो मैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने और अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं। इस बीचए प्रवर्तन निदेशालय ने भी मामले में चड्ढा के नाम का उल्लेख किया हैए लेकिन उन्हें एजेंसी द्वारा आधिकारिक तौर पर पूछताछ के लिए नहीं बुलाया गया है। दिल्ली की कैबिनेट मंत्री आतिशी ने मंगलवार को दावा किया कि उन्हेंए दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाजए विधायक दुर्गेश पाठक और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को निकट भविष्य में एजेंसी द्वारा गिर तार किया जाएगा।

भाजपा ने आतिशी को भेजा मानहानि का नोटिस

०४/०४ (संवाददाता): भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली इकाई ने आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता आतिशी को मानहानि का नोटिस भेजा है और उनके इस दावे के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है कि भगवा पार्टी ने एक बहुत करीबीव्यक्ति के माध्यम से उनसे इसमें शामिल होने के लिए संपर्क किया था। नई दिल्ली में एक संवाददाता स मेलन में दिल्ली भाजपा प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आतिशी

को मानहानि का नोटिस भेजा गया हैए जिसमें उनके दावे के लिए सार्वजनिक माफी की मांग की गई है। भाजपा नेता ने कहा ति आतिशी इस बात का सबूत देने में विफल रहीं कि उनसे किसनेए कैसे और कब संपर्क किया। आम आदमी पार्टी दिल्ली में संकट के दौर से गुजर रही हैए इसलिए हताशा में ऐसे बेबुनियाद आरोप लगा रही है। लेकिन हम उसे इससे दूर नहीं जाने देंगे। सचदेवा प्रमुख ने आतिशी को अपने दावे को साबित करने के लिए अपना फोन एक जांच एजेंसी को सौंपने के लिए कहा। दिल्ली की मंत्री आतिशी ने मंगलवार को कहा कि खुद सहित आप के चार वरिष्ठ नेताओं को जल्द ही गिर तार किया जाएगाए उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने एक ष्बहुत करीबीष् व्यक्ति के माध्यम से उनसे इसमें शामिल होने के लिए संपर्क किया था या एक महीने के भीतर ईडी द्वारा गिर तार किए जाने के लिए तैयार रहें। आतिशी ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए दावा किया कि उन्हेंए दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाजए विधायक दुर्गेश पाठक और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को गिर तार किया जाएगा। आतिशी ने आगे दावा किया कि उन्हें बताया गया है कि प्रवर्तन निदेशालय आने वाले दिनों में उनके और उनके रिश्तेदारों के आवास पर छापेमारी करेगा। उन्होंने दावा किया कि उसके बाद समन भेजा जाएगा और गिर तारियां की जाएंगी। अरविंद केजरीवाल के लिए मु यमंत्री पद से इस्तीफा देने का कोई कारण नहीं है क्योंकि उनके खिलाफ उत्पाद शुल्क नीति मामले में न तो आरोप पत्र दायर किया गया है और न ही उन्हें दोषी ठहराया गया है। उन्होंने कहाए इसके अलावाए उन्हें दिल्ली विधानसभा में भारी बहुमत प्राप्त है।

लालू पर मोदी का बड़ा वार, बोले- नौकरी के नाम पर जमीनें लिखवाई गई

जमुई ०४/०४ (संवाददाता): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को एक रैली के साथ बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ;एनडीएद्ध के लोकसभा चुनाव अभियान की शुरुआत की। चुनाव की घोषणा के बाद जमुई में हुई रैली राज्य में उनका पहला प्रचार कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि आज जमुई की इस धरती पर उमड़ा जनसैलाब बता रहा है कि जनता का मूड क्या है। जमुई से भाजपा और एनडीए के पक्ष में उठी ये हुंकार बिहार के साथ ही पूरे देश में गूंज रही है। उन्होंने कहा कि आज इस मंच से एक कमी हम सबको महसूस हो रही है। हमारे लिए ये पहला ऐसा चुनाव हैए जब बिहार के बेटेए दलितों.वंचितों के प्रिय और मेरे परम मित्र पद्म भूषण से स मानित रामविलास पासवान जी हमारे बीच नहीं हैं। मुझे संतोष है कि रामविलास जी के विचार को मेरे छोटे भाई चिराग पासवान पूरी गंभीरता से आगे बढ़ा रहे हैं।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि बिहार की धरती पूरे देश को दिशा दिखाने वाली रही है। बिहार की इस धरती ने आजादी की लड़ाई में और स्वतंत्र भारत की नींव मजबूत करने में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। लेकिन दुर्भाग्य से आजादी के बाद बिहार के सामर्थ्य के साथ न्याय नहीं हो पाया। बिहार को छव। गठबंधन बहुत ही परिश्रम से एक बड़े दलदल से बाहर निकाल कर लाया है। उन्होंने कहा कि आज का भारतए दुनिया को दिशा दिखाता है। अब दुनिया देख रही है कि केवल 10 वर्षों में भारत की साख और हैसियत कैसे बढ़ी है। उन्होंने कहा कि रेलवे में भर्ती के नाम पर जो लोग गरीब युवाओं से जमीन लिखवा लेंए वो बिहार के युवाओं का कभी भला नहीं कर सकते।

मोदी ने कहा कि घमंडिया गठबंधन वालों के समय में केवल खस्ताहाल ट्रेनें चलती थीं। लेकिन अब पूरे देश की तरह ही बिहार के लोग भी वंदेभारत ट्रेन में सफर कर रहे हैं।

इंडिया गठबंधन के नेताओं पर नड्डा का तंज, आधे जेल में हैं, आधे बेल पर हैं

झालावाड़ ०४/०४ (संवाददाता): भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने आज कहा कि विपक्षी इंडिया गुट वंशवादी पार्टियों का गठबंधन है, जिसके आधे नेता जेल में हैं और आधे जमानत पर हैं। नड्डा ने राजस्थान के झालावाड़ में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की।

भाजपा ने झालावाड़.बारां लोकसभा क्षेत्र से दुष्यन्त सिंह को फिर से उ मीदवार बनाया है। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन एक भ्रष्टाचार बचाओ गठबंधन है। इसमें ऐसी पार्टियाँ हैं जिनमें अध्यक्ष भी परिवार से हैं, महासचिव भी परिवार से हैं और मंत्री भी परिवार से हैं। ये परिवार की पार्टियां हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हर जगह घोटाले किये हैं। उन्होंने पूछा ष्राहुल गांधी जमानत पर हैं या नहींष् क्या सोनिया गांधी, चिदंबरम, ;आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह जमानत पर हैं या नहीं क्या अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसौदिया जेल में हैं या नहीं उन्होंने कहा इंडी गठबंधन के आधे नेता जेल में हैं और आधे जमानत पर हैं। नड्डा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में देश तेज गति से आगे बढ़ा है। उन्होंने कहा कि आज भारत की आकांक्षा है कि भ्रष्टाचार मुक्त सरकार हो। विकासोन्मुखी सरकार हो। मोदी जी के नेतृत्व में देश तेज गति से आगे बढ़ा।

जेपी नड्डा ने कहा कि पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 80 करोड़ लोगों को मु त अनाज दिया जा रहा है। परिणाम स्वरूप आज देश में करीब 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठ गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में आज गांवों की तस्वीर बदल गई है। ऐसे 18ए000 गांव थेए जहां पहले की सरकारों के दौरान बिजली नहीं थी।2014 में देश का प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी जी ने मात्र 1000 दिन में 18000 गांवों को बिजली पहुंचाई। उन्होंने कहा कि आज भारत की आकांक्षा है. एक भ्रष्टाचार मुक्त सरकार हो। एक विकास युक्त सरकार हो। मोदी जी के नेतृत्व में तेज गति से देश आगे बढ़े। अकल्पनीय विकास के माध्यम से भारत एक श्विकसित देशश् के रूप में खड़ा हो जाए।

भाजपा नेता ने यह भी दावा किया कि मोदी के नेतृत्व में गांवों की स्थिति बदल गई है। 18ए000 गांवों में बिजली नहीं थीए जहां 2014 में मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद बिजली पहुंच गई। भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र द्वारा किए गए विकास कार्यों पर प्रकाश डालते हुएए नड्डा ने कहा कि 3० 5 लाख गांवों को पक्की सड़कों से जोड़ा गया है। 80 करोड़ लोगों को मु त राशन दिया जा रहा हैए जिसके परिणामस्वरूप 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर उठे हैं।

न्यायालय वीवीपीएटी पर्ची वाले वोटों के सत्यापन संबंधी याचिका पर अगले सप्ताह करेगा सुनवाई

नयी दिल्ली ०४/०४ (संवाददाता): उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि वह इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन ;ईवीएमद्ध से किए गए मतदान और फिर आने वाली ष्वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेलष् ;वीवीपीएटीद्ध की पर्ची का पुनरू सत्यापन कराने के अनुरोध वाली एक गैर सरकारी संगठन की याचिका पर अगले सप्ताह सुनवाई करेगा।

एनजीओ की ओर से पेश वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि मामले की तत्काल सुनवाई की जानी चाहिए। इस पर न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की अगुवाई वाली पीठ ने कहा कि याचिका को अगले मंगलवार या बुधवार को सूचीबद्ध किया जाएगा। वरिष्ठ वकील गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि चुनाव नजदीक आ रहे हैं और अगर मामले पर सुनवाई नहीं

हुई तो याचिका निरर्थक हो जाएगी। इस पर पीठ ने कहा कि अदालत को स्थिति के बारे में जानकारी है और अगले सप्ताह इस पर सुनवाई की जाएगी। पीठ में न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी भी हैं।

न्यायमूर्ति खन्ना ने कहाएष् श्रीमान भूषणए यह मामला आखिरकार कितना वक्त लेगा। आप दो घंटे में दलीलें दे सकते हैं और हम मामले का निपटारा कर देंगे। ठीक हैए अगले सप्ताह।ष्

पिछले साल 17 जुलाई को शीर्ष अदालत ने एनजीओ ष्एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्मष् ;एडीआरद्ध द्वारा दायर याचिका पर भारत के निर्वाचन आयोग से जवाब मांगा था। याचिका में एनजीओ ने निर्वाचन आयोग और केंद्र को यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया है कि मतदाता वीवीपीएटी के माध्यम से यह सत्यापित कर सकें कि उनका वोट ष्जैसा दर्ज किया गया है वैसे ही उसकी गिनती की गई है। वर्तमान मेंए वीवीपीएटी पर्चियों के माध्यम से केवल पांच यादृच्छिक रूप से चयनित ईवीएम ;इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनद्ध के सत्यापन का नियम है। वीवीपीएटी एक स्वतंत्र वोट सत्यापन प्रणाली है जो मतदाता को यह देखने की अनुमति देती है कि उसका वोट उसी उ मीदवार को गया है या नहींए जिसे उसने वोट दिया है।

वीवीपीएटी के जरिये मशीन से कागज की पर्ची निकलती है जिसे मतदाता देख सकता है। इस पर्ची को एक सीलबंद डिब्बे में रखा जाता है और विवाद की स्थिति में इसे खोला जा सकता है। देश में लोकसभा चुनाव सात चरण में 19 अप्रैल से प्रारंभ हो रहे हैं।

जय श्री राम के जरिए संजय निरुपम ने दिए भविष्य के संकेत

मुंबई ०४/०४ (संवाददाता): निष्कासित कांग्रेस नेता संजय निरुपम ने नेहरूवादी धर्मनिरपेक्षता की आलोचना करने के बाद अब जय श्री राम के नारे के साथ अपनी भविष्य की योजनाओं का एक व्यापक संकेत दिया है।

यह पूछे जाने पर कि आगे क्या59 वर्षीय नेता ने संवाददाताओं से कहा मेरे पास योजनाएं हैंए निश्चित रूप से मैं कहीं न कहीं शामिल हो रहा हूं। घोषणा करूंगा। आप जय श्री राम से अर्थ निकाल सकते हैं। निरुपम को कल 17 सीटों के लिए उ मीदवारों की घोषणा के बाद कांग्रेस के सहयोगी उद्धव ठाकरे की शिव सेना यूबीटी पर बिना सोचे.समझे की गई टिप्पणियों के लिए निष्कासित कर दिया गया था। इनमें मुंबई उत्तर पश्चिम सीट भी शामिल थीए जिस पर श्री निरुपम की नजर थी। वरिष्ठ नेता ने 2009 में मुंबई उत्तर सीट जीती थी.

कलिंग समाचार
THE KALINGA SAMACHAR
(A Hindi Daily News Paper)
PUBLISHED FROM ODISHA, JHARKHAND &CHATTISHGARH
FOR NEWS AND ADVERTISEMENT CONTACT
AT: QRS. NO. B/204, SECTOR-16
ROURKELA, PH. 0661-2646999
PRAKASH KUMAR DHAL (EDITOR)
E-mail: thekalingasamachar@gmail.com

Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/
Kalinga p-2 for 5 APR.pmd 4/5/2024 12:10 PM

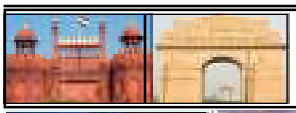

विविध समाचार

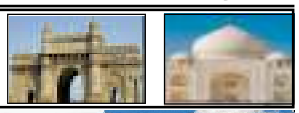

ये है दुनिया की सबसे बड़ी गुफा सोन डुंग, हर तरफ है खतरा

दुनिया में देखने के लिए एक से बढ़कर एक खूबसूरत जगह मौजूद है। कोई जगह अपने धार्मिक और ऐतिहासिक स्थलों के चलते पहचानी जाती है तो कोई प्राकृतिक खूबसूरती के चलते प्रसिद्ध है। दुनिया में अलग-अलग जगह पर कई गुफाएं भी है। जिनमें से कोई बहुत बड़ी है तो कोई बहुत छोटी है। क्या कभी आपने यह सोचा है कि इस दुनिया में सबसे बड़ी गुफा कौन सी है और यह कहां पर होगी। अगर आप इस बारे में जानना चाहते है तो चलिए हम आपको इसकी जानकारी देते हैं।

सोन डुंग

दुनिया की सबसे बड़ी गुफा सोन डुंग है जो 200 मीटर ऊंची और 5 किलोमीटर लंबी है। यह इतनी बड़ी है कि आप चलते-चलते थक जाएंगे लेकिन यह खत्म नहीं होगी।

हर जगह है जंगल

इस गुफा के अंदर बहुत ही घना जंगल मौजूद है और यहां पर कई सारी खाई भी है। इतना ही नहीं यहां पर कई भूमिगत नदियां भी बहती है और इस गुफा को समझ पाना बहुत मुश्किल काम है।

अनोखी है ये गुफा

यह गुफा पूरी तरह से जंगलों से घिरी हुई है। यहां पर बड़े-बड़े पहाड़ मौजूद है और यहां खतरों की भी कोई कमी नहीं है। इस गुफा का मौसम भी अलग है और यह कहा जा सकता है कि इसका अपना एक सिस्टम है जो बाहरी दुनिया से बिल्कुल जुदा है।

एडवेंचर के शौकीनों की पसंद

यह गुफा खतरों से भरी हुई है यही कारण है कि हर साल सिर्फ यहां 1000 सैलानी ही घूमने जा सकते हैं। इसके लिए उन्हें परमिशन लेनी होती है। जो लोग एडवेंचर करने का शौक रखते हैं वह अधिकतर यहां पहुंचते है और घने जंगलों समेत भूमिगत नदियों का दीदार करते हैं। इस गुफा के अंदर कई ऐसी गुफाएं मौजूद है जहां तक पहुंच पाना आज तक किसी के लिए संभव नहीं हो पाया है। जिन गुफाओं में लोग घूम सकते है वहां भी बिना गाइड के सहारे नहीं पहुंचा जा सकता है।

जापान में हैं दुनिया के 10 प्रतिशत ज्वालामुखी

जापान में लगभग 111 सक्रिय ज्वालामुखी हैं, जो दुनिया के सभी सक्रिय ज्वालामुखियों का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा हैं यही कारण है कि जापान में भूकंप और ज्वालामुखी विस्फोट के मामले अधिक सुनने को मिलते हैं.

माउंट फूजी

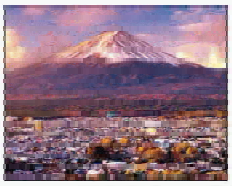

यह जापान का सबसे प्राचीन और सक्रिय ज्वालामुखी है. टोक्यो से लगभग 100 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम में स्थित यह एक टूरिस्ट स्पॉट है. इसकी ऊंचाई 3776 मीटर है. माना जाता है कि माउंट फूजी एक ही दिन में बनाया गया था. वर्तमान ज्वालामुखी लगभग 10,000 साल पहले एक पुराने ज्वालामुखी के शिखर पर बना था. इसके पर्वत पर सबसे पहले किसी जापान के भिक्षु ने चढ़ाई की थी. यहां पर वन्य जीवों की सुरक्षा के लिए पालतू जानवरों का प्रवेश वर्जित है. यह पर्वत पांच मनमोहक झीलों से घिरा हुआ है.

माउंट एसो

यह जापान के कुमामोटो शहर के पास दक्षिणी द्वीप क्यूशू पर स्थित है. इसे दुनियां का सबसे खूबसूरत और विशाल ज्वालामुखी माना जाता है. एसो-सान ज्वालामुखी क्षेत्र ने पूरे गांव को अपनी सीमाओं के भीतर समेट रखा है. जब एसो-सान ज्वालामुखी गैसों को उगलता है, तो पूरा क्षेत्र बंद हो जाता है. एसो की पांच चोटियां हैं जिन्हें अलग-अलग पर्वतों के नाम से जाना जाता है. माउंट नेको, माउंट ताका, माउंट नाका (जिसे नाकाडेक या नाका-डेक भी कहा जाता है), माउंट एबोशी, और माउंट किशिमा. इनमें से माउंट नाकाडेक, अभी भी सक्रिय है और इसने इस क्षेत्र के आकर्षण को अधिक बढ़ाया हुआ है.

माउंट अनज़ेन

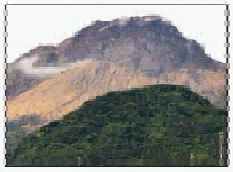

सन 1792 का माउंट अनज़ेन विस्फोट से लोगों को इस ज्वालामुखी के बारे में पता है. यह जापान के शहर नागासाकी के पास दक्षिणी क्यूशू में स्थित है. माउंट अनज़ेन का ज्वालामुखी विस्फोट, जिसके कारण

ज्वालामुखीय भूस्खलन और सुनामी हुई. आपदा से मरने वालों की संख्या करीब 15,000 बताई जाती है. जापान के इतिहास के पन्नों में इसे सबसे घातक ज्वालामुखी विस्फोट माना जाता है. अब पहाड़ फिर से शांत अवस्था में है लोग मनोरम दृश्यों का आनंद लेने के लिए 1,359 मीटर (4,459 फुट) की चोटी पर चढ़ सकते हैं. ट्रेक को छोटा करने के लिए, ज्यादातर हाइकर्स माउंट मायोकेन से चढ़ाई कर अपने सफर के लक्ष्य तक पहुंचते हैं.

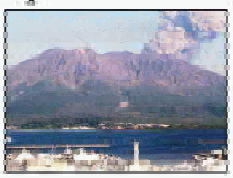

सकुराजिमा

सकुराजिमा सक्रिय ज्वालामुखी पहले एक द्वीप हुआ करता था लेकिन अब यह एक प्रायद्वीप है दरअसल 1914 के विस्फोट के लावा प्रवाह ने इसे ओसुमी प्रायद्वीप से जोड़ दिया था. इस ज्वालामुखी ने अबतक दो विस्फोट कर दिए हैं.

माउंट असामा

जापान के मुख्य द्वीप होंशू के केंद्र में स्थित, माउंट असामा समुद्र तल से 2,568 मीटर (8,425 फीट) की ऊंचाई पर स्थित है, जो कि करुइज़ावा के रिसॉर्ट शहर के ऊपर है. माउंट आसामा का आखिरी बड़ा विस्फोट सितंबर 2004 में हुआ था. तब राख इतनी मोटी थी कि स्थानीय फसलों को काफी नुकसान पहुंचा था. 1783 में एक बहुत बड़े विस्फोट में अनुमानित 1,500 लोग मारे गए थे.

माउंट ओंटेक

प्रतिष्ठित माउंट फूजी के बाद जापान में दूसरा सबसे ऊंचा ज्वालामुखी, माउंट ओंटेक अपने 3,067 मीटर ऊंचे शिखर के साथ अपने परिवेश पर हावी है. जबकि माउंट ओन्टेक को आम तौर पर बहुत सुरक्षित माना जाता है, 2014 में ज्वालामुखी अप्रत्याशित रूप से फट गया. इस प्रक्रिया में दुखद रूप से 63 लोगों की मौत हो गई.

कुसात्सु-शिराने पर्वत

कुसात्सु-शिराने अपने शानदार नजारों और ऊंचे शिखर के लिए जाना जाता है.गर्मियों और वसंत ऋतु में, यहां लोग पैदल लंबी यात्रा के लिए आते हैं, जबकि सर्दियों के महीनों में लोग स्कीइंग का आनंद लेने के लिए दूर-दूर से आते हैं. इस ज्वालामुखी के ऊपर बुदबुदाहट वाले झरने हमेशा से एक लोकप्रिय आकर्षण रहा है.

शिनमोएडके

जापान के तीसरे सबसे बड़े द्वीप क्यूशू पर एक साथ ज्वालामुखियों के झुंड माउंट किरिशिमा समूह का हिस्सा है. इसका विशाल गड्ढा वास्तव में इसकी सबसे प्रसिद्ध और आकर्षक विशेषता है.

सुवानोज़जिमा

जापान के टोकारा द्वीपसमूह के द्वीपों में स्थित, यह सबसे सक्रिय और विशाल ज्वालामुखी है. इसके लगातार विस्फोट होने से, इस द्वीप पर लगभग 50 लोग रहते हैं.

माउंट ज़ेक

माउंट ज़ेक हिम वर्षों में सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक है. ओकामा झील के चमकदार जल को देखते हुए, माउंट ज़ेक की दो चोटियां एक शानदार दृश्य बनाती है. देश के सबसे प्रसिद्ध पर्वतों की सूची में माउंट ज़ेक को 100 प्रसिद्ध जापानी पहाड़ों में शामिल किया गया है.

माउंट नोरिकुरा

जापान में तीसरा सबसे ऊंचा ज्वालामुखी, माउंट नोरिकुरा 3,026 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है. इसके आसपास खूबसूरत घाटियां और नदियां बहती है. इसकी ढलानों पर कई क्रेटर झील और अल्पाइन घास के मैदान हैं.

माउंट उसु

जापान के दूसरे सबसे बड़े द्वीप होक्काइडो के दक्षिण में स्थित माउंट उसु को शिकोत्सु-टोया नेशनल पार्क के बीच पाया जाता है. यह केवल 733 मीटर की ऊंचाई वाला पर्वत है. इसके अलावा, शिकोत्सु-टोया पार्क में शोआ-शिनज़ान के लावा गुंबद के साथ-साथ सुखदायक गर्म झरने और कई गड्ढे हैं जो 2000 में माउंट उसु के आखिरी बार फटने पर बने थे.

श्रीकृष्ण का रहस्यमयी मंदिर, यहां दुबली हो जाती है भगवान की मूर्ति

हिंदू धर्म में जन्माष्टमी का त्योहार बड़ी ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है और यह प्रमुख पर्वों में से एक है। प्राचीन काल से भगवान श्री कृष्ण के जन्म को समर्पित ये त्योहार भव्य रूप से आयोजित होता आया है। त्योहार के मौके पर अक्सर ही भक्तों की भीड़ मंदिर में दर्शन करने के लिए उमड़ती है। मथुरा-वृंदावन समेत देश में कुछ ऐसी जगह है, जहां पर विशेष तौर पर भक्तों की भीड़ देखी जाती है। हम आपको एक अनोखे कृष्ण मंदिर के बारे में बताते हैं जो दक्षिण भारत में मौजूद है। इस मंदिर की रहस्यमय कहानी किसी को भी हैरान कर सकती है। आपको जानकर हैरानी होगी लेकिन यह कहा जाता है कि इस मंदिर में स्थापित भगवान श्री कृष्ण की मूर्ति धीरे-धीरे दुबली हो रही है। चलिए आज हम आपको इस मंदिर के बारे में सारी जानकारी देते हैं।

केरल में है तुरुवरप्पु श्रीकृष्ण मंदिर

भगवान श्री कृष्ण का यह खूबसूरत सा मंदिर केरल के कोट्टायम में स्थित है। यह जगह करोड़ों भक्तों की आस्था का केंद्र है और न सिर्फ स्थानीय लोग बल्कि देश और दुनिया भर की अलग-अलग जगह से आने वाले पर्यटक यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक ये मंदिर 1500 साल पुराना है और तभी से इसे चमत्कारी और रहस्यमयी माना जाता है। कुछ लोग तो यह भी कहते हैं कि इस मंदिर का निर्माण इंसान ने नहीं बल्कि भगवान ने खुद किया था। इस मंदिर से एक दिलचस्प पौराणिक कथा भी जुड़ी हुई है। जिसके मुताबिक वनवास के दौरान यहां पर पांडव श्री कृष्ण की मूर्ति की पूजन अर्चन किया करते थे। वो सुबह शाम यहां का पीठ हमलोग का नैवेद्य को भोग अर्पित करते थे। जब वो यहां से गए तो मूर्ति को उन्होंने यहीं छोड़ दिया और उसके बाद स्थानीय लोगों ने इसकी पूजा अर्चना शुरू की और देखते ही देखते ये मंदिर प्रसिद्ध हो गया।

दुबली हो रही मूर्ति

इस मंदिर से जुड़ी एक हैरान कर देने वाली बात यह भी है कि यहां मौजूद भगवान श्री कृष्ण की मूर्ति दुबली हो रही है। मान्यताओं के मुताबिक भगवान को भूख लगती रहती है और समय पर अगर उन्हें भोग नहीं लग पाता तो उनकी भूख अधिक बढ़ जाती है और मूर्ति दुबली होने लगती है। मंदिर में सुबह पांच से पहले भगवान की आरती की जाती है और दिन में लगभग 10 बार भोग लगाया जाता है। कुछ लोगों का यह भी कहना है कि बार-बार भोग लगाए जाने की वजह से श्री कृष्ण की भूख बढ़ती जा रही है।

सिर्फ 2 मिनट बंद होता है मंदिर

इस मंदिर से एक और विचित्र मान्यता जुड़ी हुई है। 24 घंटे में इसे केवल 2 मिनट के लिए बंद किया जाता है। जानकारी के मुताबिक अगर यहां ताला खोलने में 2 मिनट से ज्यादा का समय लगता है तो उसे तोड़ दिया जाता है ताकि श्री कृष्ण को भोग लगाने में देरी न हो जाए। भक्तों के बीच ये मंदिर काफी प्रसिद्ध है और वो अपनी मनोकामनाएं लेकर यहां पहुंचते हैं।

Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/

कलिंग समाचार

संपादकीय

शुक्रवार 05 अप्रैल 2024

मजबूती का परिचय दें मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने सत्ता में आने के साथ ही पुरानी सरकारों की अपनाई गई नीतियों और फैसलों को बदलने का काम कियाए ताकि उनका नाम एक मजबूत प्रधानमंत्री के तौर पर दर्ज हो सके। भारत को पूरी तरह बदल देने के उनके जुनून ने बहुत से दीर्घकालिक नुकसान कर दिए हैं। लेकिन इस वक्त उनकी तथाकथित लोकप्रियता के फेर में इन नुकसानों का सही आकलन नहीं किया जा रहा है। विश्व में भारत की पहचान हमेशा से शांतिप्रिय देश के तौर पर रही। गांधीजी दुनिया में अहिंसा के पुजारी माने गए और नेहरूजी शांति दूत। भारत को विश्वगुरु और विश्वमित्र बनाने का कोई घोषित ऐलान पहले की सरकारों ने नहीं किया और दुनिया के मानचित्र में भारत का अनूठाए स मानजनक स्थान बना रहा। लेकिन मोदी सरकार के नौ सालों के कार्यकाल में विदेश नीति में अघोषित प्रयोग हुए और उसका नतीजा ये रहा कि पाकिस्तानए श्रीलंकाए नेपाल और चीन जैसे पड़ोसी देशों के साथ संबंधों में उतार.चढ़ाव आए हीए अब कनाडा के साथ रिश्ते दांव पर लग गए हैं। संबंधों में इस कड़वाहट के लिए जि मेदार कनाडा ही हैए लेकिन सवाल मोदी सरकार पर भी उठेंगे कि आखिर उसने कनाडा की नीयत को पहचाना कैसे नहीं। क्यों खालिस्तान जैसा मुद्दाए जो भारत की अखंडता के लिए बड़ा खतरा हैए वह फिर से जिंदा हो गया है। देश जानता है कि खालिस्तान आंदोलन ने किस तरह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी समेत कई बड़े राजनेताओंए अधिकारियोंए और गणमान्य नागरिकों की शहादत ली। बड़ी मुश्किल से इस आग को शांत किया गया थाए लेकिन अब इसकी लपटें कनाडा से उठती दिख रही हैं। याद करें कि जब 2020. 2021 में किसान आंदोलन चल रहा थाए तब आंदोलनकारियों को खालिस्तानी कहकर अपमानित किया गया था। यह सब मोदी सरकार की नाक के नीचे होता रहा और प्रधानमंत्री मोदी से यह कहते नहीं बना कि देश में बंद किए जा चुके इस दुखदायी अध्याय को किसी भी कारण से फिर न खोला जाए। देश को जब भी जरूरत होती है प्रधानमंत्री चुप ही रहते हैं। अब भी कनाडा के साथ इतनी कड़वाहट बढ़ गई है और इस वजह से लाखों भारतीय जो इस समय पढ़नेए काम करने या अन्य वजहों से कनाडा में हैंए वे अपने भविष्य को लेकर सशंकित हो रहे हैं। भारत सरकार की ओर से एडवाइज़री जारी हो चुकी है। विदेश मंत्री इस मामले में लगातार बयान दे रहे हैंए लेकिन श्री मोदी की ओर से जो आश्वस्ति कनाडा में रहने वाले भारतीयों और यहां उनके परिजनों को मिलनी चाहिएए उसकी कमी कहीं न कहीं महसूस हो रही है। इस बीच कनाडा के साथ विवाद सुलझने की जगह और उलझता दिख रहा हैए क्योंकि इसमें अब अमेरिका की राय भी सामने आ गई है। गौरतलब है कि पिछले ह ते जी.20 की बैठक से लौटने के बाद कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भारत पर एक गंभीर आरोप लगाया। कनाडाई नागरिक और भारत में आतंकी घोषित हरदीप सिंह निज्जर की जून में हुई हत्या के मामले में ट्रूडो ने कहा था कि निज्जर की हत्या के पीछे श्भारत सरकार के एजेंटश् हो सकते हैं। ट्रूडो ने संसद में ये बड़ा आरोप लगाया और इसके पीछे सबूतों के होने का दावा भी किया। हालांकि वो सबूत अबतक सामने नहीं आए हैं। लेकिन इसके बाद से भारत और कनाडा के बीच संबंध एकदम से बिगड़ गए। अब हालात ऐसे हैं कि राजनयिकों को वापस बुलाया जा रहा है। भारत ने कनाडा के लोगों को वीज़ा देने पर रोक लगा दी हैए वहीं कनाडा ने भारत आए कनाडाई नागरिकों के लिए नयी एडवायजरी जारी की हैएजिसमें कहा गया है. श्कनाडा और भारत में हाल के घटनाक्रमों के संदर्भ मेंए विरोध प्रदर्शन के आह्वान और सोशल मीडिया पर कनाडा के प्रति कुछ नकारात्मक भावनाएं हैं। कृपया सतर्क रहें और सावधानी बरतें।श् उधर निज्जर की हत्या के खिलाफ खालिस्तानी समर्थकों ने मंगलवार को कनाडा के टोरंटोए ओटावा और वैंकूवर में भारतीय दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। खालिस्तान समर्थक संगठन . श्सिख फॉर जस्टिसश् ;एसएफजेद्ध के सदस्यों के नेतृत्व में प्रदर्शनकारियों को नारे लगाते और खालिस्तानी झंडे लहराते देखा गया।

हम भ्रष्टन के भ्रष्ट हमारे सहारे

बादल सरोज

लोकसभा चुनाव के ठीक पहले उजागर हुए बॉन्ड काण्ड ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि लुटेरे कारपोरेट की पूंजी और घोटालेबाजों का काला धन ही मोदी ब्रान्ड हिन्दुत्वी राजनीति की शक्ति का स्रोत है। यह और इसी तरह का दूसराए इससे भी ज्यादा तादाद वाला पैसा है जिसकी दम पर भारत के संसदीय लोकतंत्र की बखिया उधेड़ी जा रही हैंए चुनाव में सभी दलों के लिए समान अवसर की सारी संभावनाएं खत्म की जा रही है। कहते हैं कि कोई अगर गिरने के लिए अपनी पर भी आ ही जाये तब भी उसकी कोई न कोई सीमा होती ही है। मगर भारतीय जनता पार्टी एक अलग तरह की पार्टी है। आजादी के बाद के भ्रष्टाचार कांडों में सबसे विराट रकम वाले चुनावी बॉन्ड्स के महा.घपले का भांडा फूटने के बाद ऊपर से नीचे तक पूरी भाजपा की बेशर्मी इसी की मिसाल है। पहले तो इन इलेक्टोरल बॉन्ड्स को लेकर दायर की गई याचिकाओं की सुनवाई में ही लगातार टांग अड़ाई गई। इसके बाद भी जब मार्क्सवादी क युनिस्ट पार्टी की तरफ से इसके महासचिव सीताराम येचुरी सहित 5 याचिकाकर्ताओं की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट के 5 जजों की संविधान पीठ ने सुनवाई पूरी करके अपने फैसले में इन बॉन्ड्स को अवैधानिक करार दे दिया। इसी के साथ स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को इनसे जुड़ी सभी जानकारियां 6 मार्च तक सार्वजनिक करने के लिए आदेशित किया तो बैंक ही मुकर गईय उसने इसे बहुत ज्यादा ही बड़ा काम बताते हुए जून तक का समय मांग लिया।

मंशा साफ़ थी कि जो भी सामने आये वह आम चुनाव पूरे होने के बाद ही आये। यह एसबीआई का काम नहीं थाए यह मोदी सरकार द्वारा देश की सर्वोच्च अदालत को अंगूठा दिखाने जैसा काम था। याचिकाकर्ताओं ने जब इसे चुनौती दी तो संविधान पीठ ने एक बार पुनरू एकदम साफ़साफ़ चेतावनी के साथ एसबीआई से कहा कि वह पूरी जानकारी 12 मार्च तक चुनाव आयोग को सौंपे और चुनाव आयोग 15 मार्च की शाम तक इसे अपनी वेबसाईट पर सार्वजनिक करे। एसबीआई ने इस स्पष्ट आदेश में भी टंगड़ी मारने की कोशिश की य बॉन्ड खरीदने वालों की जानकारी और इन बॉन्ड्स से रकम उठाने वालों की जानकारी तो दे दीए मगर किसका बांड किसने भुनाया इसकी जानकारी वाला यूनिक कोड साझा नहीं किया।

जाहिर है सुप्रीम कोर्ट को झांसा देने की यह दूसरी धोखाधड़ी भी एसबीआई के किसी अफ़सर या चेयरमैन के बूते की बात नहीं थी। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने एक और आदेश में कहा कि ए श्हमने आदेश में पूरी जानकारी देने को कहा था। लेकिन एसबीआई ने बॉन्ड नंबर नहीं दिया। एसबीआई पूरे आदेश का पालन करे। सभी बॉन्ड के यूनिक नंबर यानी अल्फा न्यूमेरिक नंबर निर्वाचन आयोग को 21 मार्च तक मुहैया कराए।श् इसके बाद भी जानकारी अधूरी ही आई है. अभी कुछ है जो छुपाई जा रही है। कुल मिलाकर यह कि भाजपा ने अपने अपराध छुपाने के लिए सारी नैतिकए न्यायिक और वैधानिक सीमाएं लांघ दीं और देश की न्यायपालिका की खुल्लम खुल्ला अवमानना की।

इलेक्टोरल बॉन्ड्स की अब तक की जानकारी में किस किसने कितना दियाए जुआ क पनीए बीफनिर्यातक क पनी वगैरा ने कितना दिया ये सारी जानकारियां लगातार आ रही हैं इसलिए उन्हें गिनाकर जगह घेरने का कोई मतलब नहीं। मगर दो.तीन रुझान गौरतलब हैंय इधर इनकम टैक्स और ईडी का छापा पड़ाए उधर भाजपा के खाते में कुछ सौ करोड़ रूपये का बॉन्ड पहुंच गयाए इधर भाजपा को कुछ सौ करोड़ रुपयों का बॉन्ड मिला और उधर उस कंपनी को हजारों करोड़ रुपयों का ठेका मिल गया या सौदा हो गया। यह सीधे.सीधे घूसखोरी और भ्रष्टाचार का मामला है.ध्यान रहे 1981 में कुछ बिल्डर्स को आउट ऑफ़ टर्न सीमेंट देकर दो ट्रस्टों के लिए महज 5 करोड़ का चन्दा लेने के आरोप में महाराष्ट्र के तब के मु यमंत्री ए आर अंतुले को इस्तीफा देना पड़ा था। बोफोर्स में तो सिर्फ 64 करोड़ का कमीशन लेने की बात थीए मगर उसी से सरकार उलट गई थी। आजाद भारत के पहले वित्तमंत्री टी टी कृष्णमाचारी को तो बिना पैसा लिए ही किसी को मदद करते पाए जाने पर मंत्रीपद छोड़ना पड़ा था। होने को तो खुद इसी भाजपा के लालकृष्ण अडवानी ने जैन हवाला काण्ड में 2 करोड़ रूपये लेने का आरोप लगने पर संसद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था और शहीद बनने के अंदाज में कहा था कि श्राजनीतिक विश्वसनीयता बुनियादी चीज हैण् लोग हमें वोट देते हैं और हमें उनका विश्वास कायम रखना पड़ता है।श् आज राजनीतिक विश्वसनीयता की दुहाई देने वाले उन्हीं अडवाणी को अपना मार्गदर्शक बताने वाली भाजपा इलेक्टोरल बॉन्ड से 60 अरब रूपये वसूल कर डकार तक नहीं ले रही।

इस बॉन्ड काण्ड का एक और गंभीर रुझान यह है कि जिनकी कुल संपत्ति 2 या 4 करोड़ की भी नहीं है उन कंपनियों ने भी सैकड़ों करोड़ रूपये के बॉन्ड्स भाजपा को दिए। यह बेनामी रकम किसकी हैघ् वह क पनी किस देश की हैघ् इसे किन अपराधी गिरोहों से जुटाया गया हैघ् यह किसी भी देश के लिए चिंताजनक बात होतीए दुनिया के देशों में आज भी होती हैए मगर सरेआमए रंगे हाथों पकड़े जाने के बाद भी भाजपा बजाय शर्मसार होने के आरोप लगाने वालों को ही शर्मिन्दा करने के ढीठ अंदाज में अपने भ्रष्टाचार को सदाचार बताने की मुहिम युद्ध स्तर पर शुरू कर चुकी है। तरह.तरह के कुतर्कोंए झूठों और महाझूठों का ज्वालामुखी सा फट पड़ा। झूठ की फैक्ट्री आई टी सैल का काम अब खुद भाजपा के शीर्षस्थ नेताओं से संभाल लिया। अपने चहेते और चुनिन्दा गोदी मीडिया के कभी प्रतिप्रश्न न करने वाले आज्ञाकारी पत्रकारों के बीच अमित शाह बोले कि श्बांड गोपनीय हैं तो क्या हुआए नकदी चंदा भी तो गोपनीय होता था।श् यह भी कि श्यह बांड सिस्टम राजनीति से काला धन समाप्त करने के लिए लाया गया था।श

मतलब यह कि भाई लोग काले धन में अपना भरा पूरा हिस्सा लेकर काला धन समाप्त करने का दावा कर रहे हैं। अपने अपराध को ढांपने के लिए अमित शाह झूठा आंकड़ा तक गढ़ लाये और चुनावी बॉन्ड्स को एसबीआई द्वारा बताई राशि 12 करोड़ से बढ़ाकर उसके 20 हजार करोड़ होने का दावा ठोंक दिया और प्रति सांसद के हिसाब से भाजपा को कम मिलने का शिकवा भी कर मारा। पूरे लेनदेन की तारीखें सामने आने और उनकी क्रोनोलॉजी साफ़साफ़ दिखने के बाद भी वित्त मंत्राणी निर्मला सीतारमण छुपाछुपी खेलती दिखीं और इनकम टैक्स के छापों के पहले दिया या बाद में इस बहस को ही निरर्थक बता दिया। महाराष्ट्र वाले देवेन्द्र फड़नवीस तो और आगे बढ़ गए उन्होंने दावा किया कि श्ये बॉन्ड काण्ड पोलिटिकल फंडिंग को लेकर किये जाने वाले अच्छे बदलावों में से एक है।श् अब अगर यह अच्छा है तो पता नहीं भाजपाई शब्दकोष में बुरे और आपराधिक का मायने क्या होता होगा। जिस भाजपा के केंद्र की सत्ता में पहुंचने की सीढ़ी ही भ्रष्टाचार के खिलाफ उमड़ा जनाक्रोश थाए अब सिर्फ वह भाजपा ही इस काण्ड को राष्ट्रनिर्माण का पुण्य कार्य नहीं बता रहीण् संघ के महासचिव. सरकार्यवाह. दत्तात्रेय होसबोले ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा अवैध घोषित किये और जानकारियां सार्वजनिक होने के बाद और ज्यादा संदेहास्पद हुए चुनावी बॉन्ड्स की हिमायत करते हुए कहा कि श्ये एक प्रयोग हैं और इनमे जांच.परख ;चेक एंड बैलेंसद्ध के सारे इंतजाम है।श् ध्यान रहे यह प्रमाणपत्र उसी संघ के महासचिव दे रहे थे जिसके सरसंघचालक भागवत दावा करते हैं कि श्आरएसएस राष्ट्रनिर्माण में विश्वास करती हैए भ्रष्टाचार के विरुद्ध हर आन्दोलन में वह साथ है। लोकसभा चुनाव के ठीक पहले उजागर हुए बॉन्ड काण्ड ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि लुटेरे कारपोरेट की पूंजी और घोटालेबाजों का काला धन ही मोदी ब्रान्ड हिन्दुत्वी राजनीति की शक्ति का स्रोत है। यह और इसी तरह का दूसराए इससे भी ज्यादा तादाद वाला पैसा है जिसकी दम पर भारत के संसदीय लोकतंत्र की बखिया उधेड़ी जा रही हैंए चुनाव में सभी दलों के लिए समान अवसर की सारी संभावनाएं खत्म की जा रही हैंए सरकार में रहने और ईडीए सीबीआईए इनकम टैक्स जैसे विभागों को गुंडों मवालियों की तरह इस्तेमाल कर अपने लिए वसूली रैकेट ही नहीं चलाया जा रहा है बल्कि विपक्षी दलों को चंदा देने वालों पर भी डंडा चलाया जा रहा है। यही काला धन है जिससे निर्वाचित सांसदोंए विधायकों को खरीद कर जनादेश उलटे जा रहे हैंए सारे मीडिया को अपना चारण और भाट बनाया जा रहा है। नौकरशाह एक पार्टी .भाजपा. के तबेले में बांधे जा रहे हैं। तुलसीदास की रामचरितमानस के लंका कांड की चौपाई में कहें तो आम चुनाव में श्रावण रथी विरथ रघुवीराश् जैसी स्थिति बनाई जा रही है। जनता इसे समझ रही है और इसी समझदारी को अप्रैल और मई के मतदान में अपने निर्णय का आधार बनायेगी। चुनावी बॉन्ड काण्ड तो बानगी है. अभी पीएम केयर्स फण्ड के घोटाले का सामने आना बाकी है। यह वह कोष है जो है तो पीएम के नाम पर मगर असल में मोदी एंड कंपनी लिमिटेड के पास है। आरटीआई सहित जांच.परख के सभी दायरों से ऊपर है। वर्ष 19.20 में इस फण्ड में 3076०6 करोड़ जमा हुएए अगली साल ये बढ़कर 10ए990०2 करोड़ हो गए। जबकि दोनों सालों में कुल खर्च इसके आधे से भी कम 6125 करोड़ रूपये ही हुआ। किसी को नहीं पता कि बचा हुआ पैसा साढ़े सात हजार करोड़ रुपए . जो चुनावी बॉन्ड्स में भाजपा को मिले पैसे से भी अधिक हैए कहां हैंए किसके नियंत्रण में है।

एकजुट विपक्ष और मोदी का 370–400 सीटों का लक्ष्य

डॉ. दीपक पाचपोर

इस चुनावी चरण से निकलकर अब कयासों का दौर शुरू हो चुका है कि अगली सरकार किसकी बनने जा रही है। भारत के मानचित्र को सामने रखकर जब इस पर विचार होता है तो लोगों के सामने यह आश्चर्य बनकर उभरता है कि मोदी ने जो लक्ष्य बनाया हैए वह कैसे पाया जा सकता है। विभाजित प्रतिपक्ष के बावजूद 2019 के चुनाव में भाजपा की स्थिति ऐसी कतई नहीं थी कि वह पहले से भी बड़ा बहुमत लेकर सत्ता में लौट सके। वह तो ऐन वक्त पर घटा पुलवामा कांड था जिसकी आड़ में मोदी दूसरी बार पीएम बने। उन्होंने शहीदों के नाम पर सहानुभूति और वोट दोनों बटोरे।

देश होली मना चुका है। लोगों के शरीरों पर लगा रंग तो उतर रहा हैए पर अब सही मायनों में सियासी रंग चढ़ने लगा है। वह इसलिये क्योंकि सवा.डेढ़ माह दूर रह गये लोकसभा के चुनावी मैदान में उतरे सभी दल या तो अपने प्रत्याशी तय कर चुके हैं या फिर उस प्रक्रिया को पूरा कर रहे हैं। जहां तक गठबन्धन की बात हैए तो सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के साथ कथित रूप से तीन दर्जन से अधिक राजनीतिक दल एनडीए के हिस्से हैं। वहीं प्रमुख चुनौती बनकर उभरी कांग्रेस ने अपने इंडिया गठबन्धन में दो दर्जन पार्टियों को शामिल कराकर भाजपा एवं उसके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चिंताएं बढ़ा दी हैं जो अपने लिये तीसरा कार्यकाल तय मानकर चल रहे थे। सीटों का बंटवारा भी अपने.अपने लिहाज से हो रहा है।

कांग्रेस जहां पांच न्याय एवं 25 गारंटियों के ईर्द.गिर्द अपना घोषणापत्र लगभग बना चुकी हैए वहीं भाजपा मोदी के अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिये एक बार और सत्ता चाहती है। हालांकि वे कौन से काम हैं जो पूरे किये जाने हैंए यह अस्पष्टए अपराभाषित व अव्या यायित है। उल्टेए उनके 10 साल के कामों को देखते हुए तो वह बड़ी हद तक आशंका पैदा करने वाले हैं।

इस चुनावी चरण से निकलकर अब कयासों का दौर शुरू हो चुका है कि अगली सरकार किसकी बनने जा रही है। भारत के मानचित्र को सामने रखकर जब इस पर विचार होता है तो लोगों के सामने यह आश्चर्य बनकर उभरता है कि मोदी ने जो लक्ष्य बनाया हैए वह कैसे पाया जा सकता है।

विभाजित प्रतिपक्ष के बावजूद 2019 के चुनाव में भाजपा की स्थिति ऐसी कतई नहीं थी कि वह पहले से भी बड़ा बहुमत लेकर सत्ता में लौट सके। वह तो ऐन वक्त पर घटा पुलवामा कांड था जिसकी आड़ में मोदी दूसरी बार पीएम बने। उन्होंने शहीदों के नाम पर सहानुभूति और वोट दोनों बटोरे। पहले दौर की ही तरह मोदी का दूसरा कार्यकाल भी असफलताओं से भरा साबित हुआ।

2014 से 2019 के बीच नोटबन्दी लोगों के लिये जानलेवा साबित हुई तो 2019 से अब खत्म होने जा रहे कार्यकाल के दौरान कोरोना ने देश को तबाह कर दिया। देश चाहे आर्थिक रूप से बदहाल हो चुका हो परन्तु मोदी के चंद पूंजीपति मित्र अमीरों की सूची में शीर्ष पर पहुंच गये। साफ़ था ;और है भीद्ध कि मोदी का वरदहस्त उन पर था। इसके खिलाफ़ संसद के भीतर व बाहर जमकर आवाजें उठींए भ्रष्टाचार के पर्दाफाश भी हुए लेकिन इस पर सरकार ने मौन साधे रखा। उल्टेए अपनी ताकत का इस्तेमाल कर विरोधी आवाजों को बन्द करने के संगठितए सुनियोजित एवं राज्य प्रायोजित उपक्रम हुए। कुछ में सरकार कामयाब हुई तो कुछ आवाजों को वह दबा न सकी।

वैसे तो 2024 का लोकसभा चुनाव जीतने के लिये मोदी.भाजपा ने तैयारियां काफी पहले से शुरू कर दी थींए लेकिन सबसे बड़ा दांव अयोध्या स्थित राममंदिर का था जिसमें रामलला की मूर्ति की 22 जनवरी को आनन.फानन में प्राण.प्रतिष्ठा तो हुई लेकिन उसका खास फायदा होता नज़र नहीं आया क्योंकि श्रद्धा की जो लहर उठाई गयी थीए वह ह ते भर में ही विलीन हो गयी। फिरए नागरिकता संशोधन कानून का भी अपेक्षित फायदा मिलता नहीं दिख रहा है। चूंकि कामों के बारे में किसी भी तरह का उल्लेख करने की स्थिति में भाजपा और मोदी हैं ही नहींए तो मोदी अपनी रैलियों व भाषणों में भावनात्मक मुद्दे उभारने की कोशिशें कर रहे हैंए जिनमें कभी वे संदेशखाली ;पश्चिम बंगालद्ध की महिलाओं के साथ हुए उत्पीड़न पर आंसू बहाते हैं तो कभी बताते हैं कि राहुल गांधी युवाओं को श्नशेड़ीश् बतला रहे हैं। ऐसे हीए राहुल गांधी द्वारा दिये गये इस बयान को भी उन्होंने हास्यास्पद ढंग से तोड़ने.मरोड़ने की कोशिश की जिसमें राहुल ने कहा था कि वे ;राहुलद्ध एक श्शक्तिश् के साथ लड़ रहे हैं। उन्होंने मोदी की दमनात्मक शक्तियों की ओर ईशारा किया था लेकिन मोदी ने उसे बड़े ही बचकाना तरीके से श्स्त्री शक्तिश् से जोड़ने की नाकाम कोशिश की।

वे साबित करना चाहते थे कि राहुल व कांग्रेस महिला तथा हिन्दू विरोधी हैं। उनकी ऐसी चालें बेअसर हो रही हैं क्योंकि लोग अब जान गये हैं कि जो मोदी संदेशखाली की महिलाओं की स्थिति को लेकर इतने द्रवित हैं वे मणिपुर और महिला पहलवानों के मामलों में चुप्पी साधे बैठे हैं। उनके दोनों ही आचरण उनकी राजनीति के हिस्से हैं।

2014 में वे कांग्रेस के कथित भ्रष्टाचारए परिवारवाद आदि के जिन मुद्दों को लेकर जीते थेए आज भी वे ही उनके मु य सियासी राग हैं। इसका कारण यही है कि पीएम के पास उनके कथित आर्थिक मॉडल और विकास स बन्धी कोई भी बात बतलाने के लिये है ही नहीं। ऐसे में कांग्रेस व इंडिया गठबन्धन अपने कुछ आंतरिक दिक्कतों के बावजूद लगातार मजबूत हो रहा है।

असली बात यह है कि वह एकजुट बना हुआ है जिसके बारे में भाजपा ने उ मीद ही नहीं की थी। यह तो सही है कि कई राज्यों या सीटों पर इंडिया के भागीदार दलों के बीच मतभेद हैं लेकिन उन पर परस्पर चर्चाएं हो रही हैं। बड़ी बात नहीं कि कुछ पर विवाद बने रहें और उनके आखिर तक हल न ढूंढे जा सकें पर सवाल यह है कि मोदी ने अबकी बार जो भाजपा की 370 व एनडीए की 400 सीटों का लक्ष्य रखा है वह क्या प्राप्त किया जा सकता है। वर्तमान परिस्थितियों में यह लक्ष्य पाना कठिन दिखता है।

इसके कई कारण हैं। पहला तो यह है कि यह इसलिये व्यवहारिक नहीं हो सकता क्योंकि भाजपा का दावा है कि उनके एनडीए में 38 दल हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या भाजपा अपनी सहयोगी 37 पार्टियों से सिर्फ 30 सीटों की उ मीद रखती है।

फिरए अपने चरमोत्कर्ष काल में भाजपा 303 सीटें ही जीत सकी थी तो इनमें लगभग 70 का इज़फ़ा वह कैसे करेगीघ् कुछ का कहना है कि यह केवल मनोवैज्ञानिक युद्ध है जो मोदी लड़ रहे हैं। वे ऐसा माहौल बनाने की कोशिश कर रहे है जिससे लोगों को लगे कि भाजपा सरकार ज्यादा बड़े बहुमत से जीतकर आ रही है। दूसरेए वे विपक्ष का मनोबल गिराना चाहते हैं।

नया घटनाक्रम दिल्ली के मु यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की गिर तारी का है जिसके कारण भाजपा और भी फंस गयी है। प्रवर्तन निदेशालय द्वारा आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल को कथित शराब घोटाले में गिर तार करने से इंडिया गठबन्धन और भी एकजुट हो गयी है। आप की मौजूदगी दिल्ली के अलावा सरकार के रूप में पंजाब में है। इसके साथ ही चंडीगढ़ में उसका मेयर है तथा गोवाए गुजरातए हरियाणा के अलावा कुछ पूर्वोत्तर राज्यों में भी उसकी उपस्थिति है। इस गिर तारी से भाजपा की श्बीश् टीमें कहलाने वाली पार्टियां भी सतर्क हो गयी हैं। बड़ी बात नहीं कि वे चुनाव के पहले या बाद में इंडिया से जुड़ जायें क्योंकि उन्होंने देख लिया है कि जो केजरीवाल अक्सर भाजपा के लिये मददगार साबित हुए हैंए वे भी असुरक्षित हैंए फिर तो किसी पर भी गाज गिर सकती है। उधर भाजपा के कई लोग चुनाव लड़ने से इंकार कर चुके हैं। कई ने पार्टी टिकटें तक लौटा दीं। साफ है कि लोग भाजपा की टिकट पर लड़ना मुनासिब नहीं समझ रहे हैं। कुछ भाजपायी सांसदों ने तो राजनीतिक संन्यास का ऐलान तक कर दिया है। ये सारे ही स्पष्ट संकेत हैं कि 370.400 पार का भाजपायी नारा छलावा मात्र है।

Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/

विविध समाचार

आईजी ने दिया निर्देश–छेड़खानी का केस दर्ज हुआ तो नहीं बनेगा चरित्र प्रमाणपत्र

जमशेदपुर ०४/०४ (संवाददाता): जोनल आईजी पंकज कंबोज ने एसएसपी को निर्देश दिया है कि छेड़खानी का मामला दर्ज होने के बाद आरोपी का नाम गुंडा रजिस्टर में डाला जाए। इससे उनको पासपोर्ट बनाने से लेकर चरित्र प्रमाणपत्र बनाना मुश्किल होगा। इतना ही नहींए पुलिस धारा 107 और धारा 109 के तहत उन पर हमेशा कार्रवाई करेगी। आईजी गुरुवार को पहली बार शहर पहुंचे और एसएसपी कार्यालय की सभी शाखाओं का निरीक्षण करने के बाद संवाददाता स मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने

कहा कि छेड़खानी के अलावे शहर में गांजाए अफीमए ब्राउन शुगर ;एनडीपीएस एक्टद्ध के कारोबार में संलिप्त लोगों का नाम भी गुंडा रजिस्टर्ड में दर्ज होगा।

दस वर्ष से एनडीपीएस एक्ट में दर्ज मामलों में संलिप्त लोगों की निगरानी होगी। वर्तमान में वे क्या कर रहे हैंए इसकी रिपोर्ट बनाकर एसएसपी उन्हें सौंपेंगे। उन्होंने 15 साल से शहर के लंबित 2541 मामलों का निष्पादन 31 मार्च तक करने का निर्देश दिया है।

आईजी सुबह 11ण30 बजे एसएसपी कार्यालय पहुंचे। वहां उन्होंने अपराध शाखा के नए कार्यालय का निरीक्षण किया।आधा घंटा निरीक्षण करने के बाद अन्य विभागों में चल रहे कार्यों व वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। बैठक में शामिल डीआईजी अजय लिंडाए एसएसपी प्रभात कुमारए ग्रामीण एसपी मुकेश कुमारए सिटी एसपी केण् विजयशंकर तथा एएसपी व डीएसपी को दिशा.निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपने स्तर से थानाए डीएसपी कार्यालय और एएसपी कार्यालय का निरीक्षण कर एसएसपी को उसकी रिपोर्ट सौंपेंगे। इसके अलावे पिछले 15 साल में लूट.डकैती की जितनी घटनाएं हुई हैं उनके आरोपी वर्तमान में कहां हैं और क्या कर रहे हैंए इसका वेरीफिकेशन कर रिपोर्ट बनेगी। साथ ही 15 साल में नक्सली मामलों से जुड़े नक्सलियों की स्थिति पर भी रिपोर्ट बनेगी।

जो सरेंडर पॉलिसी का लाभ लेकर बाहर हैं वे वर्तमान में क्या कर रहे हैंए सभी की रिपोर्ट बनाकर उनको हाजिरी लगवानी है। रिपोर्ट बनाकर डीसी को भेजी जाएगी जिसके बाद तय होगा कि अपराधियों को हर सप्ताहए हर पखवाड़े या फिर हर महीने हाजरी लगानी है।आईजी ने कहा चाईबासा को छोड़कर पूरे कोल्हान में नक्सल गतिविधियां जीरो हैं। नक्सल प्रभावित इलाके में पुलिस कैंप कर रही है। पहले नक्सली बाहर निकलते थेए लेकिन पुलिस अब नक्सलियों के गढ़ में जा रही है। जिसके कारण नक्सलियों ने रास्तों में आईईडी बिछा रखी है। पुलिस गश्तीए आम लोग और जानवरों को इससे क्षति हो रही है। जो नक्सली बचे हैं सरेंडर कर सरकार की पॉलिसी का लाभ उठा रहे हैं।

सरकार की नल.जल योजना फेल, 500 आबादी की जुगाड़ तंत्र से बुझ रही प्यास

गिरिडीह ०४/०४ (संवाददाता): हर घर में जल पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश भर में जल जीवन मिशन की शुरूआत की। जल जीवन मिशन के तहत झारखंड सरकार ने घर.घर नल योजना की शुरूआत की। लेकिन गिरिडीह पहुंचते ही इस योजना ने दम तोड़ दिया हैए और लोगों को पीने की पानी भी नसीब नहीं है।

हाल ये है कि डेढ़ किमी दूर पहाड़ से गिरते पानी को छानकर महिलाएं व बच्चियां लाती हैए जिससे परिवार के सारे लोगों की प्यास बुझती है। लेकिन इस पानी की जुगाड़ में महिलाओं हर दिन सुबह.शाम दो.दो घंटे जद्दोजहद करनी पड़ती है। यह दुर्दशा गिरिडीह सदर प्रखंड के करहरबारी पंचायत के गुहियाटांड़ गांव की है।

जो आदिवासी बाहुल इलाका हैए और यहां की आबादी 500 से अधिक है। हर साल गर्मी दस्तक देने के साथ ही इस गांव का सारा चापानल व कुआं मार्च महीने में ही सूख जाता है। इसके बाद लोगों के बीच पानी की किल्लत शुरू हो जाती है। 15वें वित्त से इस गांव में पानी की टावर भी लगाई गईए लेकिन इससे एक दिन भी ग्रामीणों को पानी नसीब नहीं हुआए और यह बेकार पड़ा है। इस साल की भीषण गर्मी में लोग पानी के लिए त्राहिमाम कर रहे हैं।

घर से डेढ़ किलोमीटर दूर ग्रामीण महिलाएं व छोटे.छोटे बच्चे पहाड़ से गिरने वाली पानी को छानकर डब्बाए बाल्टी.डेग्चीए बोतल में भरकर लाते हैं और उसे खाना बनाने एवं अपनी प्यास बुझाने में इस्तेमाल करते हैं। जिसमें सुबह जो पानी लाते हैंए उससे दोपहर तक काम चल जाता है। फिर शाम में जो लाते हैं उससे रात भर चलता है। जबकि कपड़ा.बर्तन धाने में तालाब के पानी का उपयोग में लाया जाता है।स्थानीय ग्रामीण इसे प्रकृति का दिया हुआ तोहफा मानते हैं। जहां से सालों भर 24 घंटे पानी गिरता ही रहता है। हालांकि गर्मी में पानी का लो कम जरूर होता हैए लेकिन पीने भर पानी मिल जाती है। यहां सुबह 4 बजे से ही महिलाओं की कतार लग जाती है।

आज का राशिफल

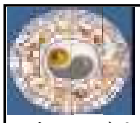

मेष – आज के दिन धार्मिक और आध्यात्मिक प्रवृत्तियाँ विशेष रहेंगी। मन में द्विधा रहने से ठोस निर्णय नहीं ले सकेंगे। पैसे की लेन–देन या आर्थिक व्यवहार न करने की गणेशजी की सलाह है।

वृषभ – गणेशजी कहते हैं कि व्यापार में वृद्धि होने के साथ व्यापार के स बंध में सौदे लाभदायक साबित होंगे। आय के साधनों में वृद्धि होगी। बुजुर्गों तथा मित्र मंडल से लाभ और सुखद क्षणों का अनुभव मिलेगा।

मिथुन – शारीरिक और मानसिक सुख बने रहेंगे। नौकरी – व्यवसाय में आपके परिश्रम का मुआवजा मिलता हुआ प्रतीत होगा। अधिकारी वर्ग के प्रोत्साहन से आपका उत्साह बढ़ेगा। सामाजिक क्षेत्र में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क – गणेशजी कहते हैं कि आज आपकी भाग्य वृद्धि के साथ आकस्मिक धन लाभ होगा। विदेश जाने के इच्छुक लोगों के प्रयास सफल होंगे। तथा विदेश से अच्छे समाचार आएँगे।

सिंह – आज आपको स्वास्थ्य का ध्यान रखना रहेगा। तबीयत के पीछे धन खर्च होने की संभावना है। निषेधात्मक विचार आपको गलत मार्ग पर न ले जाए, उसका ध्यान रखने के लिए गणेशजी कहते हैं।

कन्या – गणेशजी की कृपा से दांपत्यजीवन के सुखद क्षणों का अनुभव करेंगे। सामाजिक और सार्वजनिक क्षेत्र में आप याति और प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। मनोरंजन की प्रवृत्तियों में भाग लेंगे। वस्त्राभूषण और वाहन की खरीदी होगी।

तुला – गणेशजी कहते हैं कि सामान्ज रूप से आज स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और बीमार व्यक्ति के भी तबीयत में सुधार होगा। घर में सुख– शांति के वातावरण में आप समय व्यतीत करेंगे। कार्य में सफलता और यश मिलने से उत्साह बढ़ेगा।

वृश्चिक – आज यात्रा प्रवास का आयोजन न करने की सलाह गणेशजी देते हैं। स्वास्थ्य के स बंध में चिंतित रहेंगे। संतानों के स बंध में समस्याएँ खड़ी होंगी। स्वाभिमान भंग न हो इसका ध्यान रखें।

धनु – गणेशजी कहते हैं कि आज आपको अत्यधिक संवेदनशीलता के कारण और घरेलू मामलों को लेकर मानसिक तनाव खड़े होने की संभावना है। मन में उठनेवाली द्विधाओं से आप मानसिक उचाट अनुभव करेंगे।

मकर – आज आप रणनीति में शत्रुओं को परास्त करेंगे। नए कार्यों के आरंभ के लिए तैयार रहें। सफलता मिलेगी। आप हरेक कार्य तन–मन से स्वस्थ रहकर करेंगे। व्यापार–धंधे में लाभ होगा।

कुंभ – गणेशजी बताते हैं कि मन में द्विधाएँ खड़ी होने से आप कोई ठोस निर्णय पर नहीं पहुँच सकेंगे। महत्त्वपूर्ण निर्णय न लें। वाणी पर संयम नहीं रहनेसे पारिवारिक सदस्यों के साथ मनमुटाव होने की संभावना है।

मीन – आनंद– उत्साह और तन–मन की प्रसन्नता आपके दिन में चेतना और स्फूर्ति का संचार करेंगे। नए कार्य हाथ में लेंगे तो उसमें सफलता मिलेगी। धार्मिक मांगलिक प्रसंगों में जाएँगे।

हाईकोर्ट ने कहा–झारखंड सरकार फायर सेफ्टी ऑडिट कराए, चार माह में रिपोर्ट दे

रांची ०४/०४ (संवाददाता): धनबाद के आशीर्वाद अपार्टमेंट और हाजरा क्लिनिक में आग लगने की घटनाओं पर हाईकोर्ट ने स त रुख अपनाया है। कोर्ट ने इन मामलों पर स्वतरू संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार को फायर से टी ऑडिट कराकर चार महीने में रिपोर्ट देने को कहा है। गुरुवार को एक्टिंग चीफ जस्टिस अपरेश कुमार सिंह और जस्टिस दीपक रोशन की खंडपीठ में इस मामले की सुनवाई हुई।कोर्ट ने दुख जताते हुए कहा कि यह दुर्घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। इसकी जांच होनी चाहिए। ऐसे हादसे दोबारा न होए इस पर राज्य सरकार को सजग रहना होगा। कोर्ट ने नगर विकास विभाग के सचिव को रिपोर्ट देने को कहा है। पूछा है कि अपार्टमेंट और भवनों में फायर से टी के लिए क्या गाइडलाइन है। बिल्डिंग बायलॉज के मुताबिक नक्शे पास हो रहे हैं या नहीं। उसमें फायर से टी रूल्स का पालन हो रहा है या नहीं। इस दौरान महाधिवक्ता राजीव रंजन ने बताया कि ऐसी घटनाएं दोबारा न होए इसके लिए राज्य सरकार गंभीर है। राज्य के सभी जिलों के डीसी और एसपी को फायर

से टी से जुड़े मानकों की समीक्षा करने और सरकार को रिपोर्ट देने को कहा गया है। अब इस मामले की 17 फरवरी को सुनवाई होगी। राज्य में अपार्टमेंट और भवनों में फायर से टी के लिए क्या गाइडलाइन हैघ् 2ण्बिल्डिंग बायलॉज के मुताबिक भवनों के नक्शे पास हो रहे हैं या नहींघ् 3ण्भवनों में फायर से टी कानूनों का पूरी तरह से पालन हो रहा है या नहींघ् 4ण्ऐसी घटनाएं दोबारा न होए इसके लिए राज्य सरकार सजग रहे। आशीर्वाद टावर में आग लगने की घटना की जांच के लिए धनबाद डीसी ने दो कमेटियां बनाई हैं। यह 4 दिन में रिपोर्ट देगी। 2ण्एक कमेटी आग लगने के कारणों की जांच करेगी। देखेगी कि वहां फायर से टी रूल्स का पालन हो रहा था या नहीं। 3ण्दूसरी कमेटी जांचेगी कि आग से उस भवन का स्ट्रक्चर तो डैमेज नहीं हुआ।अग्निशमन विभाग और फॉरेंसिक जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। अग्निशमन विभाग ने जांच में पाया कि आशीर्वाद अपार्टमेंट में फायर फायटिंग की व्यवस्था थी। इसके लिए एनओसी भी लिया गया था। लेकिन फायर फायटिंग सिस्टम दुरुस्त नहीं था। जिस समय आग लगीए उस समय उसके वाटर टैंक में पानी ही नहीं था। इसी वजह से दूसरे तल्ले पर लगी आग पर काबू नहीं पाया जा सका और वह भयावह रूप लेती चली गई।इसमें 14 लोगों की मौत हो गई। वहीं फॉरेंसिक टीम ने पाया कि सबसे पहले जिस लैट में आग लगी थीए उसमें प्लाईवुड की फॉल्स सीलिंग का इंटीरियर डेकोरेशन था। इसी वजह से आग इतनी तेजी से भड़की। दोनों विभाग अब सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपेगा। उधरए अपार्टमेंट की साफसफाई चल रही है। वायरिंग जल जाने से अब तक बिजली व्यवस्था बहाल नहीं हुई है।

रामकृष्ण के संन्यासियों का अनूठा मिशन–नारायणपुर आश्रम से सिर्फछात्र नहीं, निकल रहे चैंपियन, 145 खेल चुके नेशनल

नारायणपुर ०४/०४ (संवाददाता): लाल आतंक से घिरे नारायणपुर में जहां एक ओर दुनिया की तमाम मुश्किलें हैंए वहीं दूसरी तरफ इन मुश्किलों को आसान करती एक अलग.अनूठी दुनिया भी है। यह दुनिया है रामकृष्ण मिशन आश्रम। अबूझमाड़ की इस लाइफलाइन की बदौलत 2600 बच्चों को शिक्षा मिल रही और हजारों आदिवासियों का इलाज हो रहा है।

आंगनबाड़ी का संचालन हो या पीडीएस के जरिये सुदूर गांवों में अन्न पहुंचानाए सब आश्रम की ही देन है। आश्रम के संन्यासी बीते कुछ सालों से नए मिशन में जुटे हैं।

वह है पढ़ाई के साथ ही उत्कृष्ट खिलाड़ी भी तैयार करना। आकाबेड़ा हो या कुंदलए इन अति संवेदनशील नक्सल क्षेत्रों में रोज सुबह.शाम कम से कम 60.70 बच्चे

अलग.अलग रंग की जर्सी में फुटबॉल के साथ ड्रिबलिंग करते और मंझे खिलाड़ी की तरह शॉट मारते नजर आएंगे। एकबारगी यह नजारा हैरत में डालने वाला होता है। क्योंकि जिस इलाके में ढंग का रास्ता नहीं हैए वहां एक साथ इतने खिलाड़ी कहां से आ गए!

सीमित संसाधन के बीच नारायणपुर आश्रम में मिनी खेल गांव तैयार किया गया है। यहां एथलेटिक्स ट्रैक भी हैए तीन फुटबॉल ग्राउंडए तीन इनडोर बैडमिंटन कोर्टए इनडोर.आउटडोर बास्केटबॉल कोर्टए खो.खो मैदानए वॉलीबॉल कोर्ट के साथ जि नेजियम भी है। तीरंदाजी के लिए जल्द इंटरनेशल लेवल का इनडोर और फील्ड आर्चरी एरिया भी तैयार हो रहा है। इसके अलावा दूसरे 6 आश्रमों में भी खेल मैदान हैं।

हुनर की बात करें तो अबूझमाड़िया बच्चों की टीम अंडर 14 और 17 फुटबॉल में पांच साल से चैंपियन है। 8 खिलाड़ियों ने संतोष ट्रॉफी के लिए क्वालीफाई किया और 7 खेले। सिर्फ 2022 में 145 छात्र.छात्राएं अलग.अलग खेलों के नेशनल टूर्नामेंट खेल चुके हैं।

इनमें फुटबॉल के 90 और खोखो के 18 खिलाड़ी हैं। यहां के पूर्व छात्र सुरेश ध्रुव एशिया कप के इंडिया कैंप का हिस्सा रहे हैं। अभी 10वीं में 91: हासिल करने वाली क लेश्वरी वॉलीबॉल के दो नेशनल टूर्नामेंट में धाक जमा चुकी हैं।

आश्रम के प्रधानाचार्य स्वामी कृष्णामृतानंद बताते हैं कि बच्चों को फुटबॉल कोच व मोहन बागान के स्ट्राइकर रह चुके जाहर दास कोचिंग दे रहे हैं। आई.लीग के लिए नया ग्राउंड तैयार करवाया गया है। बगल में चेंजिंग रूमए स्टैंड भी लगभग तैयार है। सेकंड डिवीजन लीग के लिए टीम भी तैयार है। हम पहुंचे तो 400 मीटर के एथलेटिक ट्रैक पर खिलाड़ी रनिंग कर रहे थे।

नारायणपुर जिले में रामकृष्ण मिशन के मु य आश्रम समेत कुल 7 आश्रम संचालित हैं। घोर नक्सल प्रभावित कुंदलाए इरकभट् ?टीए कच्चापालए कुतुलए ओरछा व आकाबेड़ा स्थित आश्रमों में भी ग्राउंड हैं। ओरछा का आश्रम सिर्फ बेटियों के लिए है। इन आश्रमों में बेहतर परफॉर्म करने वाले खिलाड़ियों को नारायणपुर में ट्रेनिंग दी जाती है।

वनवासी बच्चों को उत्कृष्ट खिलाड़ियों जैसी ट्रेनिंग देना हमने चैलेंज की तरह लिया। मेरा मानना है कि विषम हालात में काम करना ही हमारी ताकत रही है। हमारा फोकस है कि स्टैंडर्ड ऑफ स्पोर्ट्स को मेंटेन रखा जाए। हर खेल में अंतरराष्ट्रीय मानक की सुविधाएं दे सकें ताकि हमारा बच्चा हर प्लेटफॉर्म के लिए तैयार हो सके। .स्वामी व्याप्तानंद, प्रमुख रामकृष्ण मिशन

Printed, Published, Edited, & Owned by Prakash Kumar Dhal, Printed at Promodini Publication, Mainroad, Chhend colony, Rourkela-15 & Published at ECR-73, Chhend Colony, Rourkela-15, Editor : Prakash kumar Dhal, Email: kalingasamachar@gmail.com , Mob: 9439951525, Ph. 0661-2646999

Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/

ओडिशा समाचार

कलिंग समाचार — राउरकेला, शुक्रवार 05 अप्रैल 2024 — पृष्ठ-6

कांग्रेस का एक और विकेट गिरा, दो बार के विधायक चिरंजीव बिस्वाल ने थामा बीजद का हाथ

भुवनेश्वर ०४/०४ (संवाददाता):कांग्रेस के पूर्व विधायक चिरंजीव बिस्वाल आज बीजद में शामिल हो गए।चिरंजीव अपने समर्थकों के साथ शंख भवन में सांसद सस्मित पात्र और मानस रंजन मंगराजए प्रवक्ता प्रियव्रत माझी प्रमुख की मौजूदगी में बीजद में शामिल हुए।

बीजद में शामिल होने के बाद चिरंजीव बिस्वाल ने कहा कि मैं नवीन के नेतृत्व और 25 साल के जनहितैषी कार्यक्रमों से आकर्षित होकर बीजद में आया हूं।इस बार हम 120 से अधिक विधायकों और 15 से अधिक सांसदों को जीतने में मदद करेंगे।

मानस मंगराज ने कहा कि चिरंजीव बिस्वाल केवल जगतसिंहपुर ही नहींए बल्कि पूरे राज्य के एक मजबूत नेता हैं। बीजद उनके शामिल होने से और मजबूत होगी।

यहां उल्लेखनीय है कि चिरंजीव दो बार कांग्रेस टिकट से विधानसभा को निर्वाचित हुए थे। 2004 में वह तिर्तोल विधानसभा सीट से विजयी हुए थे। 2009 में वह जगतसिंहपुर विधानसभा सीट से चुनाव लड़े थेए मगर वह बीजद उ मीदवार से चुनाव हार गए थे। हालांकिए 2014 में जगतसिंहपुर से वह पुनरू विधानसभा के लिए चुने गए। वह विधानसभा में विरोधी दल के उप नेता का दायित्व निभाया था।

चिरंजीव बिस्वाल के साथ शताधिक नेता एवं कर्मी बीजद में शामिल हुए हैं। रवीन्द्र नाथ महांतिए निरंजन बेहेराए योगीनाथ बाहुबलेन्द्रए सुनील माटियाए मामिना दलेईए सुभाष साहू एवं प्रशांत मलिक प्रमुख भाजपा नेता चिरंजीव के साथ बीजद में शामिल हुए हैं।

चिरंजीव ने कहा कि मैं कोई स्वार्थ लेकर बीजद में शामिल नहीं हुआ हूं। मु यमंत्री के 25 वर्ष की जनकल्याण कार्यक्रमए एक पिछड़े राज्य को देश के अग्रणी राज्य में तब्दील कर दिया है। मैं एक कार्यकर्ता के रूप में पार्टी जो भी जि मेदारी देगीए उसे निभाऊंगा।

पहाड़ी गांव राकसखोल के लोगों को तीन किलोमीटर दूर जाकर मिलता है पेयजल

राउरकेला ०४/०४ (संवाददाता): गर्मी बढ़ते ही सुदूर पहाड़ी क्षेत्र के गांवों में जल संकट गहराने लगा है। ऐसे ही एक पहाड़ी गांवए राकसखोल की महिलाएं पानी के लिए तीन किलोमीटर दूर जा रही हैं। पहाड़ी के नीचे एक पुराना कुआं है जहां का कीचड़युक्त पानी पीने के लिए लोग विवश हैं। जिला प्रशासन की ओर से जिला खनिज कोष समेत अन्य स्रोत से प्राप्त अनुदान मौलिक सुविधा दिलाने के नाम पर खर्च किया जा रहा है पर लेफ्रीपाड़ा ब्लॉक का यह गांव बुनियादी सुविधाओं से अछूता है। यहां आने जाने का न रास्ता है और ना ही पीने के लिए पानी।

सुंदरगढ़ जिले के लेफ्रीपाड़ा ब्लॉक के राकसखोल गांव में 30 परिवार निवास करते हैं। इस गांव तक जाने के लिए रास्ता नहीं है। लोग मु य सड़क से करीब पांच किलोमीटर दूर पहाड़ी पगडंडी से चलकर गांव तक पहुंचते हैं। यहां सड़कए पानीए बिजली की समस्या है। गर्मी के दिनों में लोगों को पेयजल के लिए हर दिन जिद्दोजहद करनी पड़ती है। पहाड़ी पर पानी के स्रोत सूख जाने के कारण उन्हें गांव से दूर गहराई वाले क्षेत्र में जाकर पानी लाना पड़ता है। गांव के लोग करीब तीन किलोमीटर दूर बसे बंधबेड़ा जाते हैं एवं वहां एक पुराने कुएं से पीने का पानी संग्रह करते हैं। बारिश के दिनों में पहाड़ी के ऊपर झरना का पानी पीते हैं। घड़ा व बर्तन लेकर महिलाएं एक साथ पानी के लिए घर से निकलती हैं। इसमें उन्हें दो तीन घंटे का समय लग जाता है। पहाड़ी से नीचे चलकर उतरना व पानी लेकर चढ़ना उनके लिए काफी कठिन होता है। स्थानीय लोगों के अनुसार गांव में उनकी सुधि लेने के लिए न तो जन प्रतिनिधि और ना ही अधिकारी ही आते हैं।

राउरकेला स्टील प्लांट को अभिनव प्रयास से उपयोगी राजस्व अर्जित करने में मदद मिली

राउरकेला ०४/०४ (संवाददाता): राजस्व को अधिकतम करने पर अधिक जोर देने के साथए सेलए राउरकेला स्टील प्लांट ;आरण्एसण्पीण्द्ध का विपणन विभाग नवीन समाधान खोजने और संयंत्र की लाभप्रदता बढ़ाने में उत्पादन इकाइयों को पूरक करने के लिए विभिन्न इकाइयों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग कर रहा है। ऐसे ही एक प्रयास मेंए आरण्एसण्पीण् द्वारा पहली बार सिंगल पीस अनकट फॉर्म में एक स्क्रैप प्लेट मिल बैक अप रोल भेजा गया।उल्लेखनीय है कि स्क्रैप प्लेट मिल बैक अप रोल का वजन 60 टन से अधिक होता है और इसके परिवहन के लिए उच्च क्षमता वाले वाहन की आवश्यकता होती है। ऐसे वाहन की लंबाई आरएसपी में उपलब्ध वजन पुलों की सीमा से अधिक है और इसलिए ऐसे वाहन से वजन करना संभव नहीं है। तोए इस प्रकार के रोल को टुकड़ों में काटा जाता है और फिर पार्टियों द्वारा ले जाया जाता है। इस कठिनाई के कारण पार्टियाँ इन रोलों को खरीदने में कम ही रुचि लेती हैं और स्क्रैप रोल लंबे समय तक बिना निपटान के पड़े रहते हैं। इस समस्या को हल करने के लिए आरण्एसण्पीण् की विपणन और रोल शॉप टीम ने रोल को बिना काटे तोलने की प्रक्रिया विकसित करने की चुनौती ली। काफी सोच.विचार के बाद वैगन से रोल तौलने का निर्णय लिया गया। विपणनए रोल शॉपए यातायात और कच्चे मालए उत्पादन योजना एवं नियंत्रणए वित्ती एवं लेखा और सी एण्डत आईण्टीण् विभाग के बीच उचित समन्वय के साथए रोल को लैट प्रकार के वैगन में लोड किया गया और रोल को वजन किया गया। फिर रोल को पहली बार सिंगल पीस अनकटा रूप में ट्रेलर में भेजा गया। नवप्रवर्तन ने समान रोल्स के निपटान का मार्ग प्रशस्त किया है जिससे संयंत्र को उपयोगी राजस्व अर्जित करने में मदद मिली है।

दो पुलिस कर्मियों को लगाया लाखों का चूना, ठगी करने वाले गिरोह का एक सदस्य गिरफ्तार

कटक ०४/०४ (संवाददाता): छठी बटालियन के दो पुलिस कर्मचारियों से 12 लख रुपये का चूना लगाने वाले गिरोह के एक सदस्य को पुलिस ने गिर तार किया है। गिर तार होने वाला आरोपी जगत सिंहपुर जिला बिरिडी थाना बुद्धपुर इलाके का घन भोई उर्फ बापुनी है।

मिली जानकारी के अनुसार इस घटना में पुलिस सरोजकांत जेनाए राकेश खुंटिआए सुशांत कुमार सेठी और मनोज पटनायक को पहले से ही गिर तार कर चुकी है और उनके पास से 1 लाख 10 हजार रुपये और सोने की जेवरात भी बरामद किए गए थे।

उसके कुछ दिन बाद और एक आरोपित स्वाधीन प्रधान ने अदालत में आत्मसमर्पण किया था। हालांकि यह आरोपित बापुनी फरार हो गया था। बापुनी के नाम पर पहले से ही नेमाल थाने में एक मामला दर्ज है। गौरतलब है कि पिछले अगस्त वर्ष 2023 को छठे बटालियन के मानस बारिक और उनके एक दोस्त से 10 लाख रूपये की ठगी का शिकार हुए थे।

एक व्यक्ति खुद को जिला के मंत्री के सहयोगी के तौर पर परिचय देकर 10 लाख रुपये की 500 रूपये का नोट बंडल लेने के लिए कहा था और इसके बदले 12 लाख रुपये की नोट 100 और 200 रूपये के नोट के तौर पर देने के लिए भरोसा दिया था । यह बात सुनते ही मानस ने इसके बारे में अपने दोस्त को बताया था। फिर दोनों 10 लाख रुपये के 500 रूपये वाले नोट इकट्ठा कर ठगों के कहने के मुताबिक जोबरा मैरिटाइम यूजियम के पास पहुंचे थेए लेकिन वहां पर चालाकी करते हुए दोनों पुलिस कर्मचारियों के पास से 500 रुपये की नोट से भरा बैग बदलकर फरार हो गए थे। जिसके बारे में मंगलाबाग थाने में मामला दर्ज किया गया था।

बीजद नेता के कोचिंग सेंटर समेत चार ठिकानों पर आयकर छापामारी

भुवनेश्वर ०४/०४ (संवाददाता): आयकर विभाग ने आज बीजद के संगठन सचिव प्रणव प्रकाश दास के करीबी वफादार और बीजू जनता दल के वरिष्ठ नेता सुब्रत कुमार छटोई के कोचिंग सेंटर समेत चार जगह पर एक साथ छापा मारा।

वित्तीय गड़बड़ी के आरोप में छटोई के कोचिंग सेंटर और भुवनेश्वर स्थित एक घर सहित विभिन्न स्थानों पर छापे मारे जा रहे हैं। छापामारी आज भोर करीब 4 बजे की गई।

पिछले साल भी आयकर विभाग ने बीजद नेता के इस कोचिंग सेंटर पर छापा मारा था। छापामारी के दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए गए थे। कोचिंग सेंटर के कुछ सामान भी सील कर दिए गए। सुब्रत कुमार छटोई से भी आयकर विभाग ने पूछताछ की थी।

हालांकिए आज तड़के कोचिंग सेंटर पर फिर छापा मारा गया। इस छापामारी पर सुब्रत छटोई की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। सुब्रत कुमार छटोई बीजद के संगठन सचिव प्रणब प्रकाश दास के करीबी सहयोगी हैं। चर्चा थी कि वह इस चुनाव में टिकट की दौड़ में हैं। कहा जा रहा है कि उन्हें इस बार पार्टी की ओर से टिकट दिया जाएगा।

देश के शीर्ष 10 सबसे गरीब राज्यों में शामिल है ओडिशा

भुवनेश्वर ०४/०४ (संवाददाता): पिछले एक दशक सेए ओडिशा की आर्थिक वृद्धि राष्ट्रीय औसत से अधिक रही हैए ओडिशा तेजी से गरीबी में कमी लाने में भी सबसे आगे रहा है जैसे बड़े.बड़े दावे करने वाली बीजद सरकार का अब असली चेहरा सबके सामने आ गया है। पिछले 22 वर्षों तक नवीन पटनायक ;ठ्ड छंअममद च्जदंपाद्ध के नेतृत्व में राज्य में स्थिर सरकार के बावजूदए ओडिशा ;व्कपेींद्ध अभी भी देश के शीर्ष 10 सबसे गरीब राज्यों में से एक है। झारखंड ;श्रींतींदकद्ध और बिहार जैसे राज्यों में गरीबों की सं या में कमी ओडिशा की तुलना में काफी बेहतर हैए जबकि ओडिशा गरीबी कम करने के मामले में गोवा ज मू.कश्मीर आंध्र प्रदेश छत्तीसगढ़ और राजस्थान ;त्ंरंेजींदद्ध से भी पीछे है। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र यूएनडीपी और ऑक्सफोर्ड के ओपीएचआई द्वारा जारी वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक ;एमपीआईद्ध.2022 रिपोर्ट से मिली है। ओडिशा में पर्याप्त प्राकृतिक संसाधनए कुशल मानव संसाधनए प्रगतिशील नीतियां और स्थिर सरकार दिखाकर निवेशकों को आकर्षित करने की कोशिश कर रही राज्य सरकार राज्य से गरीबी कम करने में नाकाम रही है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा एक दिन पहले जारी एमपीआई.2022 की रिपोर्ट के अनुसार 2015.16 और 2019.21 के बीच तेजी से गरीबी कम करने के मामले में गोवा देश में सबसे आगे है। इसके बाद ज मू और कश्मीरए आंध्र प्रदेशए छत्तीसगढ़ और राजस्थान जैसे राज्य हैं। हालांकि इनकी तुलना में 10 गरीब राज्य इतनी गरीबी कम नहीं कर पाए हैं। एमपीआई की रिपोर्ट के मुताबिक 2015.16 में जो 10 गरीब राज्य थेए उस सूची में 2019.21 में सिर्फपश्चिम बंगाल बाहर निकलने में सफल हुआ है।

राउरकेला इस्पात संयंत्र में इस्पात सुरक्षा दिवस का पालन

राउरकेला ०४/०४ (संवाददाता): राउरकेला स्टील प्लांट ;आरएसपी ने विश्व के साथ मिलकर इस्पायत सुरक्षा दिवस का पालन किया। राउरकेला स्टील प्लांट सह अतिरिक्त् प्रभार बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी ;डीआईसी श्री अतनु भौमिक एचआर डी. सेंटर के गोपबंधु ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में मु य अतिथि थे। मंच पर उप निदेशक ;फैक्टेरी एवं बॉयलरद्धए ओडिशा सरकारए श्री विभू प्रसादए कार्यपालक निदेशक ;वर्क्स श्री एसआर सूर्यवंशी, कार्यपालक निदेशक ;एमएण्डएचएस डॉ. बीण्के होता और कार्यपालक निदेशक ;कार्मिक एवं प्रशासन सह अतिरिक्त प्रभार परियोजना श्री तरूण मिश्र, कार्यपालक निदेशक ;खान श्री आलोक वर्मा, कार्यपालक निदेशक ;वित्त एवं लेखा श्री एण्के बेहुरिया, ओडिशा सरकार के दोनों सहायक निदेशक ;फैक्ट री एवं बॉयलर श्री बिबेकानंद नायक और श्री स्वराज कुमार त्रिपाठीए आरएसपी के मु य महा प्रबंधकगण विभागाध्यक्ष, विभागीय सुरक्षा अधिकारी, संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारी और प्रतियोगिताओं के विजेता समारोह में उपस्थित थे। सभा को संबोधित करते हुए श्री भौमिक ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को बधाई दी और सुरक्षा पहलों को समेकित और मजबूत करने में सुरक्षा इंजीनियरिंग विभाग के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ष्हमें शून्य नुकसान के साथ इस्पांत बनाने की जरूरत है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि संयंत्र में प्रवेश करने वाला प्रत्येक व्यक्ति सुरक्षित रूप से घर जाए।

अपने कर्मचारियों की सुरक्षा करना और साथ ही उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करना हमारी जि मेदारी हैश्ए और सभी से दिन.प्रतिदिन के आधार पर सुरक्षित प्रक्रियाओं का पालन करने का आग्रह किया।

उन्होंने सभी से संगठन में सुरक्षित इस्पात के उत्पादन और सुरक्षा जाल को मजबूत करने के विभिन्न पहलुओं पर ध्यान देने का आह्वान किया।

सुरक्षित कार्यस्थल के महत्व पर प्रकाश डालते हुएए श्री विभु प्रसाद ने कहाए ष्सुरक्षा केवल एक व्यक्ति की जि मेदारी नहीं हैए यह ठेका श्रमिकों से लेकर शीर्ष प्रबंधन तक कर्मचारी की सामूहिक जि मेदारी है। इस अवसर पर बोलते हुए श्री एसण्आर सूर्यवंशी ने कहा कि एक भी आपदा से बचना हमारे लिए दीर्घकालिक रूप से एक बड़ी उपलब्धि हो सकती है। हमें खतरे के स्रोत की पहचान करने और जोखिमों को कम करने के बारे में लोगों को जागरूक करने की जरूरत है।ष्

डॉ. होता ने एसओपी और पीपीई के महत्व पर प्रकाश डालते हुए चिकित्सा परिदृश्य के उदाहरणों का हवाला देते हुए कहाए ष्जैसे एक सर्जन सर्जरी से पहले कुछ एसओपी का पालन करता हैएशॉप लोर में प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को एसओपी का पालन करना चाहिए और पीपीई पहनना चाहिए।

श्री तरूण मिश्रा ने सुरक्षा शब्द को इस प्रकार से विस्तृत किया . खतरे को खोजेंए जोखिम का विश्लेषण करेंए कारण खोजें उसे खत्म करें और दूसरों को बताएं कि अब आप सुरक्षित हैं। कार्यक्रम की शुरुआत सुरक्षा वीडियो फिल्म की स्क्रीनिंग और एमओएमटी ;आरएमएचपी श्री एण्के डोरा और उनकी टीम द्वारा सुरक्षा पुरस्कार विजेता गीत की प्रस्तुति के साथ हुई।

डीआईसी ने आरएसपी के सुरक्षा शुभंकर अबेध्या का उद्घाटन किया और एचआरडीसी लॉन में पीपीई प्रदर्शनी स्टालों का भी दौरा किया।

Created with Print2PDF. To remove this line, buy a license at: http://www.software602.com/
Kalinga pg-6 for 5 APR.pmd 4/5/2024 2:18 PM